दैनिक
एशियन रिपोर्टर
RNI NO. MPHIN/2013/54854
www.asianreporter.online

एशियन रिपोर्टर समूह
Since 1994
मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से प्रकाशित साप्ताहिक एवं दैनिक समाचार पत्र, ई-पेपर, न्यूज़ पोर्टल, और यूट्यूब चैनल से जुड़कर निष्पक्ष, निर्भीक, राष्ट्रवादी पत्रकारिता करें । मध्य प्रदेश के सभी जिलों, तहसीलों और नगरों में संवाददाता नियुक्त करना है।
संपर्क करें
केवल व्हाट्सएप
8349212122

वर्ष : 13, अंक -7 | संपादक : कल्याण मल जैन | भोपाल, गुरुवार 30 अक्टूबर 2025 | प्रधान संपादक : सुश्री मैना जैन | पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रन फॉर साइबर अवेयरनेस को झंडी दिखाकर किया रवाना

साइबर अपराध से लड़ाई पुलिस के साथ पूरे समाज की है : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

नगर संवाददाता,भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'रन फॉर साइबर अवेयरनेस' जागरूकता अभियान के आयोजन के लिए मध्यप्रदेश पुलिस सहित सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि साइबर अपराध से लड़ाई केवल पुलिस की नहीं, पूरे समाज की है। तकनीक और कानून अपने स्थान पर हैं, पर सबसे बड़ा हथियार जागरूकता है। जब नागरिक जागरूक होगा, तभी राष्ट्र सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम ने डिजिटल युग की सबसे जरूरी पहल को जन-आंदोलन का रूप दिया है। हम जिस रफ्तार से डिजिटल रूप से मजबूत हुए हैं उसी रफ्तार से नई परेशानियां और खतरे सिर उठाने लगे हैं। जिस तकनीक ने हमें जोड़ा है उसी तकनीक ने अपराधियों को नए हथियार भी दिए हैं और आज ठगी के नए-नए तरीके आ गए हैं। डिजिटल अरेस्ट, फेक प्रोफाइल, हैकिंग, डेटा ब्रीचिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, ओटीपी फॉड, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी और फेक इन्वेस्टमेंट लिंक जैसे अपराध बढ़ते जा रहे हैं।

ये हमारे समाज के हर वर्ग को प्रभावित कर रहे हैं। %रन फॉर साइबर अवेयरनेस% डिजिटल युग में नागरिक सुरक्षा का कर्तव्य निभा रही है। साइबर सिपाही, जिम्मेदारी, सुरक्षा और जागरूकता की दौड़ के लिए एकजुट हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा और जागरूकता के लिए आयोजित रन फॉर साइबर अवेयरनेस के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रन के लिए एकत्र प्रतिभागियों को अटल पथ स्थित प्लेटिनम प्लाजा से झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रन अटल पथ से एपेक्स बैंक तिराहा होते हुए टी.टी. नगर स्टेडियम पर पूर्ण हुई। इस अवसर पर विधायक श्री भगवानदास सबनानी, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर पुलिस बैंड की धुन के साथ सलामी दी गई। पुलिस महानिदेशक तथा अन्य पुलिस अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

दिल्ली में कृत्रिम बारिश का दूसरा ट्रायल कामयाब: आईआईटी कानपुर की तकनीक

क्लाउड सीडिंग के बाद भी नहीं हुई बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आज दोपहर क्लाउड सीडिंग के कई ट्रायल किए गए. लेकिन रेखा सरकार का यह ट्रायल फिलहाल सवालों के घेरे में है. दो घंटे बीत जाने के बाद भी बारिश नहीं हुई है, जिस पर आप ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है. आप ने इसे आर्टिफिशियल रेन के नाम पर फर्जीवाड़ा बताया है. क्लाउड सीडिंग के बाद अधिकारियों ने दावा किया था कि 15 मिनट से 4 घंटे के भीतर बारिश शुरू हो सकती है, लेकिन तीन घंटे बाद भी आसमान साफ नजर आ रहा है. दिल्ली में जिस विमान से कृत्रिम बारिश (क्लाउड सीडिंग) करवाई जाएगी, उसने मंगलवार सुबह कानपुर से उड़ान भरी थी. दिल्ली में क्लाउड सीडिंग सफल रही है और कुछ देर में कृत्रिम बारिश हो सकती है. कानपुर में विजिबिलिटी कम होने के कारण प्लेन की उड़ान में कुछ देरी हुई थी. कानपुर में सुबह विजिबिलिटी 2000 मीटर थी. प्लेन के उड़ान के लिए 5000 मीटर विजिबिलिटी का इंतजार किया गया. जैसे ही मौसम साफ हुआ, वह दिल्ली की ओर उड़ चला. दिल्ली में कृत्रिम बारिश बुराड़ी के ऊपर करवाई जाएगी. पिछले हफ्ते सरकार ने बुराड़ी क्षेत्र के ऊपर एक परीक्षण उड़ान भरी थी. इस दौरान विमान से सिल्वर आयोडाइड और सोडियम क्लोराइड जैसे यौगिकों की कम मात्रा छोड़ी गई, जो कृत्रिम बारिश उत्पन्न करने में सहायक होते हैं. वातावरण में नमी का स्तर 20 प्रतिशत से कम होने के कारण बारिश नहीं कराई जा सकी।

दिल्ली में हुआ ट्रायल

बता दें कि राजधानी दिल्ली में आज क्लाउड सीडिंग का सफल ट्रायल किया गया. अब इसके तीन ट्रायल हो चुके हैं. इसके लिए आईआईटी कानपुर के केस्सना एयरक्राफ्ट ने मेरठ से उड़ान भरी और खेकरा, बुराड़ी, नार्थ करोल बाग, मयूर विहार, सड़कपुर और भोजपुर जैसे इलाकों में क्लाउड सीडिंग का ट्रायल किया. इस दौरान पायरो तकनीक का उपयोग करते हुए 8 क्लाउड सीडिंग फ्लेयर्स छोड़े गए. इस ट्रायल के बाद बाहरी दिल्ली के इलाकों में हल्की बूंदाबांदी के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई थी. लेकिन यह बादलों में नमी पर निर्भर करता है. फिलहाल नमी कम है, क्योंकि दिल्ली में मौसम विभाग द्वारा अनुमानित तापमान सामान्य से 3 डिग्री कम है.

मिशन पूरा कर लौटा प्लेन

दिल्ली में खेकड़ा, बुराड़ी, नार्थ करोल बाग, मयूर विहार, सड़कपुर, भोजपुर में क्लाउड सीडिंग कराई गई है. इसके बाद प्लेन मेरठ जाकर लैंड कराया गया. एनडीटीवी रिपोर्टर पल्लव बागला के अनुसार, शाम 5 या 6 बजे बारिश हो सकती है, क्योंकि बादलों के बीच नमी अभी 15-20 फीसदी ही है. इससे उत्तरी दिल्ली और बाहरी दिल्ली के इलाकों में कृत्रिम बारिश का नजारा देखने को मिलेगा. सरकार को उम्मीद है कि इस विधि से कृत्रिम बारिश होने से प्रदूषण कम होगा. कृत्रिम बारिश का सफल परीक्षण को दूसरे इलाकों में भी अपनाया जाएगा.

मौसम पर सारा दारोमदार

दिल्ली सरकार ने कुछ दिनों पहले संकेत दिया था कि अगर मौसम अनुकूल रहा तो 28 और 29 अक्टूबर को कृत्रिम बारिश कराई जा सकती है. आर्टीफीशियल रेन के लिए उड़ान कानपुर से दिल्ली उड़ चला है. दिल्ली और आसपास के इलाके में बादल छाये हुए हैं, ऐसे में अगर नमी 50 फीसदी के करीब रही तो ये कदम उठाया जा सकता है. इससे दमघोंटू प्रदूषण से परेशान जनता को फौरी राहत मिल सकती है. कानपुर से सेसना प्लेन इसके लिए उड़ान भर चुका है.

पीके को चुनाव आयोग ने दिया नोटिस

2 वोटर एनरोलमेंट पर 3 दिन में मांगा जवाब

पटना, एजेंसी। चुनावी रणनीतिकार से नेता बने जन सुराज पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर को चुनावी उल्लंघन के मामले में इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) ने नोटिस जारी किया है. दरअसल उन पर आरोप है कि प्रशांत किशोर का नाम दो अलग-अलग राज्यों बिहार और पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में दर्ज है, जो कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत प्रतिबंधित है. उन्हें इस मामले में तीन दिनों के भीतर जवाब देने को कहा गया है. प्रशांत किशोर को ईआरओ ने नोटिस जारी किया है. इस मामले में जारी किए गए नोटिस के मुताबिक प्रशांत किशोर का नाम रोहतास जिले के करगहर विधानसभा क्षेत्र में दर्ज है, जो सासाराम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है. वहीं उनका नाम कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में भी दर्ज है. जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 17 और 18 के तहत यह अवैध है. इसलिए इस मामले में ईआरओ ने प्रशांत किशोर को तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा है.

बिहार व बंगाल में वोटर कार्ड

इस नोटिस में कहा गया है कि इस मामले में उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है. प्रशांत किशोर पश्चिम बंगाल में कोलकाता पश्चिम लोकसभा क्षेत्र की भवानीपुर विधानसभा से मतदाता हैं. यहां उनका एपिक नंबर आईयूआई0686683 पाया गया.

महागठबंधन का घोषणा पत्र जारी

20 महीने में हर घर के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का ऐलान

20 दिन में बनाया जाएगा अधिनियम

पटना, एजेंसी। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन (इंडिया गठबंधन) ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरा घोषित हुए तेजस्वी यादव ने सभी घटक दलों के प्रमुख नेताओं के साथ इसे जारी किया। इसे %तेजस्वी का प्रण पत्र% भी कहा गया है। वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि हमलोगों ने एक संकल्प पत्र रखा है। बिहार में 30 से 35 साल हमलोगों को जनता के बीच रहना है। यह संकल्प पत्र एक नए बिहार की नींव रखेगा। आप दूसरी तरफ देखेंगे तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का कोई संकल्प पत्र ही नहीं है। इतनी कमियों के बावजूद उन्हें लगता कि बिहार बहुत खुशहाल है। इसलिए वह अपना घोषणा पत्र जारी नहीं कर रहे। लेकिन, अब जनता बदलाव चाहती है। इसलिए महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

पुरानी पेंशन स्कीम लाई जाएगी

वहीं भाकपा माले के वरिष्ठ नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि इस संकल्प पत्र में मंडी व्यवस्था को चालू करने की बात है। सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम लाई जाएगी। सामाजिक सुरक्षा पेंशन पर खूब ध्यान दिया गया है। इसमें जो भी वादा किया गया है, उसे हर हाल में पूरा किया जाएगा। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने कहा कि सबसे पहले महागठबंधन ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। हम केवल घोषणा ही नहीं बल्कि हमारी प्रतिज्ञा पत्र भी है। महागठबंधन की सरकार बनते ही हमलोग इसे लागू करेंगे। इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के प्रमुख आईपी गुप्ता ने कहा कि अब बिहार बदलने वाला है। आज के घोषणा पत्र में नए बिहार का रोडमैप है।

जयपुर में हाईटेंशन लाइन से बस टकराई

आग और सिलेंडर ब्लास्ट में 3 की मौत, 10 से ज्यादा घायल

जयपुर, एजेंसी। जयपुर ग्रामीण जिले के शाहपुरा उपखण्ड के मनोहरपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। टोडी गांव स्थित एक ईंट भट्टे पर जा रही मजदूरों से भरी बस 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गई। पल भर में बस में तेज करंट दौड़ गया और स्पार्क होने से आग भड़क उठी। देखते ही देखते बस में सवार मजदूर करंट और आग की चपेट में आ गए। हादसे में मौके पर ही तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। लगभग 12 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। जान गंवाने वाले तीन लोगों में दो पिता और पुत्री बताए जा रहे हैं।

बस बुक कर लौट रहे थे श्रमिक

एसडीएम संजीव के अनुसार हादसे के समय बस में 60 सवारी थीं। सभी श्रमिक हैं, जो शाहपुरा के आसपास ईंट भट्टों पर काम करते हैं। दिवाली मनाने के बाद सभी यूपी के पीलीभीत से प्राइवेट बस बुक करके काम पर लौट रहे थे। बस की छत पर कपड़े, खाने-पीने का सामान रखा था। हाइटेंशन लाइन से टच होते थी छप पर रखे लगेज ने आग पकड़ ली।

भारत और अमेरिका की नौसेनाओं का पनडुब्बी-रोधी युद्ध अभ्यास संपन्न

मजबूत हुआ आपसी तालमेल और क्षमता

वॉशिंगटन,एजेंसी। भारत और अमेरिका ने पनडुब्बी-रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) और समुद्री क्षेत्र में जागरूकता पर केंद्रित संयुक्त युद्ध अभ्यास किया, ताकि दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी तालमेल और क्षमता को मजबूत किया जा सके। अमेरिका के सातवें बेड़ा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, अमेरिका और भारत की नौसेनाएं साथ उड़ान भर रही हैं। डिएगो गार्सिया के पास संयुक्त पी-8 प्रशिक्षण ने पनडुब्बी-रोधी युद्ध कौशल और समुद्री क्षेत्र की जागरूकता को निखारा और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने की हमारी सामूहिक क्षमता को बढ़ाया। रक्षा दृश्य सूचना वितरण सेवा (डीवीआईडीएस) ने एक आधिकारिक बयान में कहा, कमांडर टास्क फोर्स 72 (सीटीएफ) के मिशन में समुद्री गश्ती और टोही विमान (एमपीआरए) पी-8ए पोसाइडन ने भारतीय नौसेना के एमपीआरए पी-8आई के साथ डिएगो गार्सिया और हिंद महासागर के पास संयुक्त अभ्यास में भाग लिया। यह अभ्यास 22 से 28 अक्तूबर के बीच आयोजित किया गया था।

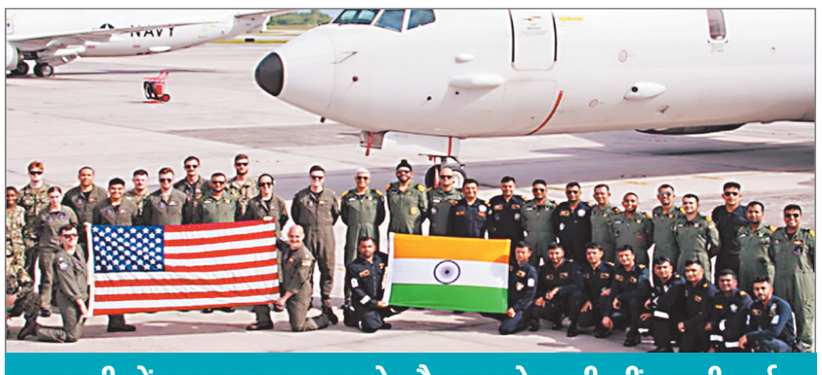

समुद्री में सूचना साझा करने और सहयोग की नींव रखी गई

पी-8आई के डिएगो गार्सिया पहुंचने के बाद अमेरिकी और भारतीय चालक दल ने अभ्यास के लिए संचालन योजना पर मिलकर काम किया, जिससे समुद्री में सूचना साझा करने और सहयोग की नींव रखी गई। इस तट आधारित चरण को संयुक्त उड़ान और द्विपक्षी पनडुब्बी-रोधी और संचार अभ्यास के साथ पूरा किया गया। बयान में कहा गया, पैट्रोल स्काड्रन (वीपी) 4 को सीटीएफ 72 में तैनात किया गया, जो अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े समुद्री गश्ती और टोही विमानों के लिए कमान एवं नियंत्रण मुख्यालय है। यह बहुपक्षीय सहयोग के माध्यम से क्षेत्रीय सुरक्षा और संचालन को बढ़ावा देता है और निगरानी व टोही की क्षमताएं प्रदान करता है। अमेरिकी नौसेना का सातवां बेड़ा अग्रिम मोर्चे पर तैनात सबसे बड़ा बेड़ा है। यह बेड़ा अपने नियमित रूप से अपने साझेदारों के साथ संवाद करता है, ताकि एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के दृष्टिकोण को साकार किया जा सके।बयान में बताया गया कि यह प्रशिक्षण टाइगर ट्रायम्फ 2025 जैसे पहले के अंतर संचालन अभ्यासों पर आधारित था।

आठवें वेतन आयोग की रूपरेखा को कैबिनेट की मंजूरी

50 लाख कर्मियों को फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। कैबिनेट ने 8वें वेतन आयोग के तहत विचार होने वाले विषयों को मंजूरी दी। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आयोग में एक अध्यक्ष, एक सदस्य (अंशकालिक) और एक सदस्य-सचिव शामिल होंगे। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आठवां वेतन आयोग 18 महीने के भीतर सिफारिशें प्रस्तुत करेगा, जो 1 जनवरी 2026 से लागू होने की संभावना है। मंत्री ने बताया कि आयोग की सिफारिशें रक्षा सेवा कर्मियों और लगभग 69 लाख पेंशनभोगियों सहित लगभग 50 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों को कवर करेंगी।

सब्सिडी योजना को मिली मंजूरी

कैबिनेट ने चालू रबी सीजन (2025-26) के लिए पोषक तत्व आधारित 37,952 करोड़ रुपये की सब्सिडी योजना को भी मंजूरी दे दी है। सरकार ने प्रति किलोग्राम के आधार पर नाइट्रोजन (एन), फास्फोरस (पी), पोटाश (के) और सल्फर (5) के लिए सब्सिडी अधिसूचित की है। वैष्णव ने बताया कि इस रबी के लिए सब्सिडी दरें पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 14,000 करोड़ रुपये अधिक रखी गई हैं। ये दरें पोषक तत्व आधारित सब्सिडी योजना के तहत तय की गई हैं, जिसमें आयात कीमतों, पोषक तत्वों की मांग, सब्सिडी भार और अधिकतम खुदरा मूल्य जैसे कारकों को ध्यान में रखा गया है। नई सब्सिडी दरें 1 अक्तूबर से लागू होंगी।

संक्षिप्त समाचार

हैलोवीन पर एण्डटीवी के सितारों ने बताया- वे कौन सा डरावना किरदार निभाना चाहेंगे!

मुंबई। जैसे-जैसे हैलोवीन करीब आ रहा है, डर, मस्ती और क्रिएटिविटी का माहौल बनना शुरू हो गया! भूत, वैम्पायर और मशहूर फिल्मी किरदारों के रूप में तैयार होना इस त्योहार की सबसे बड़ी ख़ासियत है। यह दिन लोगों को अपने अलग, रहस्यमयी और हटके अंदाज़ को दिखाने का मौका देता है। इस खास मौके पर एण्डटीवी के कलाकारों ने बताया कि अगर वे किसी हैलोवीन पार्टी में जाएं, तो कौन-सा डरावना लुक अपनाना पसंद करेंगे। इन कलाकारों में शामिल हैं- प्रियंवदा कांत ('घरवाली पेड़वाली' की लतिका), गीतांजलि मिश्रा ('हप्पू की उलटन पलटन' की राजेश), और आसिफ शेख ('भाबीजी घर पर हैं' के विभूति नारायण मिश्रा)। प्रियंवदा कांत, जो जल्द ही शो 'घरवाली पेड़वाली' में लतिका के किरदार में नजर आएंगी, कहती हैं, ''अगर मैं किसी हैलोवीन पार्टी में जाऊं, तो अपनी किरदार लतिका को एक डरावना रूप देना चाहूंगी। गीतांजलि मिश्रा, जो 'हप्पू की उलटन पलटन' में राजेश का किरदार अदा कर रही हैं, ने कहा, '' मुझे हैलोवीन पर तैयार होना बहुत पसंद है! अगर मुझे कोई लुक चुनना हो, तो मैं या तो नन या वैम्पायर बनना पसंद करूंगी। दोनों ही लुक में रहस्यमय और डरावना एहसास होता है, जो हैलोवीन के मूड के लिए बिल्कुल परफेक्ट है।

उद्धव ठाकरे ने अमित शाह की तुलना एनाकोंडा से की

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। वर्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं की रैली के दौरान उन्होंने शाह की तुलना एनाकोंडा और अब्दाली से की। ठाकरे ने भाजपा पर मुंबई को राजनीतिक हेरफेर और भूमि हड़पने के जरिए निगलने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने किसी भी ऐसी कोशिश का विरोध करने की प्रतिज्ञा की। शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में छपी एक रिपोर्ट का ठाकरे ने हवाला दिया, जिसमें भाजपा के नए कार्यालय को बिजली की गति से भूमि हड़पकर बनाए जाने का जिक्र था। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी की तुलना जिजामाता उद्यान में हाल ही में लाए गए एनाकोंडा से की। उद्धव ठाकरे ने कहा, जैसे एनाकोंडा अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को निगल जाता है, वैसे ही वे मुंबई को गटकना चाहते हैं। ठाकरे ने अमित शाह और भाजपा की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। ठाकरे ने भाजपा नेताओं की तुलना अफगान आक्रमणकारी अहमद शाह अब्दाली से भी की। उन्होंने दावा किया कि वे मुंबई पर कब्जा करने आए हैं। असली अब्दाली फिर आए हैं, इस बार दिल्ली और गुजरात से। अगर वे हमारा शहर लेने की कोशिश करेंगे तो उनकी कब्र हमारे ही धरती पर बनेगी। शिवसेना यूबीटी चीफ ने महाराष्ट्र की राजनीतिक और आर्थिक लूट को ऐतिहासिक व्यक्तियों से भी जोड़ा। गुजराती नेता मोरारजी देसाई पर अपने कार्यकाल में महाराष्ट्रीयन प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश देने का आरोप लगाया। उद्धव ठाकरे ने इस दौरान सत्तारूढ़ भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कटाक्ष किया कि लोकतंत्र में मतदाता सरकार चुनते हैं, लेकिन आज सरकार मतदाताओं को चुनती है।

भाजपा का कर्नाटक सरकार पर तंज- राज्य को एटीएम बना लिया है

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों ने राज्य ही नहीं देश की राजनीति में हलचल मचा रखी है। जाने-अनजाने मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम शिवकुमार के समर्थकों द्वारा बयानबाजी की जाती रहती है। इसी बीच अब भाजपा की तरफ कर्नाटक राज्य विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष आर अशोक से दावा किया गया है कि राज्य में 'नवंबर क्रांति' तय है और अगले महीने मुख्यमंत्री पद पर निश्चित तौर पर बदलाव होगा। अशोक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने बिहार और तमिलनाडु के विधानसभा के लिए कर्नाटक को धन मुहैया कराने का एटीएम बना लिया है। पार्टी इसे एटीएम के रूप में इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार में से जो भी पार्टी के लिए भुगतान सुनिश्चित करेगा, उसे मुख्यमंत्री पद सौंप दिया जाएगा।

हिमाचल में प्राकृतिक आपदाओं का कहर

चार साल में 46000 करोड़ का नुकसान, सीएम ने जारी की रिपोर्ट

शिमला , एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश को पिछले चार सालों में प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण 46,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा सोमवार को जारी राज्य मानव विकास रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। सुक्खू ने कहा कि वर्तमान में पहाड़, नदियां, जंगल और ग्लेशियर ग्लोबल वार्मिंग के शिकार हैं, जिसके कारण राज्य अत्यधिक वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याओं से जूझ रहा है।

यह रिपोर्ट पर्यावरण एवं विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की मदद से तैयार की गई है। हिमाचल प्रदेश मानव विकास रिपोर्ट 2025: जलवायु प्रभावित विश्व में भविष्य का निर्माण शीर्षक वाली 256 पन्नों की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले पांच मॉनसून के मौसम में इस तरह की आपदाओं में लगभग 1,700 लोगों की जान चली गई। रिपोर्ट के अनुसार, अनियमित वर्षा के कारण 70 प्रतिशत पारंपरिक जल स्रोत सूख रहे हैं या दबाव में हैं, जिससे जल संकट गहरा रहा है, जिससे कई गांवों की आबादी कम हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक जंगल में आग लगने की घटनाएं भी 2022-2023 में 856 से बढ़कर 2024-25 में 2,580 हो गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1901 से औसत वार्षिक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। सदी के मध्य तक तापमान 2-3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान है। साथ ही, यह चेतावनी भी दी गई है कि जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान, अत्यधिक बारिश या बादल फटने, हिमनद झीलों के फटने से बाढ़ और जंगल की आग के माध्यम से आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकता है। ग्लेशियर प्रति वर्ष 50 मीटर से अधिक की दर से पीछे हट रहे हैं, जबकि नई हिमनद झीलों के निर्माण ने त्नरुह्स्न के जोखिम को बढ़ा दिया है। अकेले सतलुज बेसिन में हिमनद झीलों की संख्या 2019 में 562 से बढ़कर 2023 में 1,048 हो गई और चिनाब और रावी बेसिन में भी इसी तरह के रुझान देखे गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि त्नरुह्स्न का जोखिम कुल्लू और किन्नौर जिलों में सबसे अधिक है। इसमें कृषि, निर्माण और पर्यटन क्षेत्रों में आर्थिक व्यवधानों का भी आकलन किया गया है और कहा गया है कि राज्य की जलवायु संकट के प्रति अनुकूलन क्षमता बढ़ाने के लिए अनुमानित 10,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। सीएम सुक्खू ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि यह रिपोर्ट राज्य की प्रगति, लचीलेपन और लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाती है। सुक्खू ने कहा, यह गर्व की बात है कि मानव विकास रिपोर्ट-2025 के अनुसार, हिमाचल प्रदेश का औसत मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) 0.78 है, जो राष्ट्रीय औसत 0.63 से अधिक है। हालांकि, जिला स्तर पर जलवायु-समायोजित एचडीआई के विश्लेषण से पता चला है कि राज्य में समग्र विकास संभावित खतरों के प्रति अधिक लचीला है। सुक्खू ने जलवायु परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक गंभीर वैश्विक समस्या के रूप में उभरा है और यदि तत्काल कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया तो वर्तमान और भविष्य दोनों पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने आगे कहा कि राज्य ने हाल ही में पूर्ण साक्षर राज्य बनने का गौरव प्राप्त किया है, जहां साक्षरता दर 99.30 प्रतिशत है, जबकि राज्य में गरीबी दर 7 प्रतिशत से कम है। उन्होंने आगे कहा कि शिशु मृत्यु दर घटकर 1,000 जीवित जन्मों पर 21 रह गई है और जीवन प्रत्याशा बढ़कर 72 वर्ष हो गई है। इस वर्ष मॉनसून के दौरान, हिमाचल प्रदेश को जलवायु परिवर्तन के कारण भारी नुकसान हुआ है।

1 की 8वीं मंजिल से गिरकर मौत

नोएडा , एजेंसी।
नोएडा सेक्टर-74 स्थित सुपरटेक नॉर्थ आई सोसाइटी में रविवार सुबह आठवीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट की बालकनी से गिरकर 29 वर्षीय शुभम कुमार युवक की मौत का मामला उलझता जा रहा है। नौ युवकों ने इस फ्लैट को समलैंगिक पार्टी करने के लिए एक रात के लिए किराये पर लिया था। ये सभी इससे पहले कभी नहीं मिले थे।

एसीपी ट्विंकल जैन ने बताया कि मृतक के शव का सोमवार को पोस्टमॉर्टम हुआ। परिजन शव को गृह जनपद अलीगढ़ लेकर चले गए। वहीं, उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इसके बाद परिजनों ने मामले की लिखित शिकायत पुलिस से करने की बात कही है। इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में युवक की मौत का कारण एंटीमार्टम इंजरी आया है। उसके शरीर पर टकराने निशान मिले हैं।

पुलिस के मुताबिक फ्लैट में मिले दोनों युवकों से पूछताछ हो रही है। एक युवक ने बताया कि जिस समय घटना हुई फ्लैट पर सिर्फ तीन युवक थे। एक युवक घर जाने के लिए सामान पैक कर रहा था। दूसरा सोफे पर बैठकर मोबाइल चला रहा था। जिस 29 वर्षीय शुभम कुमार की मौत हुई है, वह रविवार सुबह साढ़े छह बजे के करीब बालकनी में गया। कुछ देर तक वह बाहर देखता रहा। इसके बाद वह कुर्सी पर चढ़ा और नीचे छलांग लगा दी। अस्पताल म डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवकों का कहना है कि उनका एक दूसरे से पहले से परिचय नहीं था। ऐसा में उन्हें जानकारी नहीं है कि शुभम ने बालकनी से छलांग क्यों लगाई।

शुभम कुमार अलीगढ़ के हरदुआगंज का रहने वाला था। परिजनों के मुताबिक शुभम एक मेडिकल कंपनी में सेल्स रिप्रेजेंटेटिव के रूप में काम करता था। शुभम को क्या परेशानी थी, इसको जानने के लिए पुलिस उसके साथियों से भी संपर्क करेगी। युवक की जो तस्वीर वायरल हो रही है उसमें उसके पेट समेत शरीर के अन्य हिस्से पर कई टैटू भी गुदे हैं।

फ्लैट की मालिकन से पूछताछ होगी : पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फ्लैट में कुल नौ लोग थे। सभी अलग-अलग शहरों और राज्यों के रहने वाले थे। कोई भी एक दूसरे को पहले से नहीं जानता था। एक वॉट्सऐप ग्रुप और ऐप पर सभी की आपस में बात हुई और सभी ने मिलने की बात कही। इसके बाद सोसाइटी का फ्लैट एक दिन के लिए चार हजार के किराये पर लिया गया। फ्लैट एक महिला के नाम पर है। इसे वह किराये पर देती है।

एयरपोर्ट से फ्लाइट उड़ान भरने को तैयार, 15 दिन में काम पूरा करने का टारगेट

नोएडा , एजेंसी।
नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का सपना अब सच होने की दहलीज पर खड़ा है। जेवर में फैला नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब जनता के लिए खुलने से सिर्फ दो कदम दूर है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि बाकी कामों में सड़कों व खुले स्थानों से निर्माण सामग्री हटाना, लैंडस्केपिंग, हॉर्टिकल्चर और पेंटिंग जैसी फिनिशिंग शामिल है। दूसरा प्रमुख काम ष्ठत्रष्ट से एयरोड्रोम लाइसेंस प्राप्त करना है, जो हर कमर्शियल एयरपोर्ट के लिए अनिवार्य है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने कहा, यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को निर्देश दिया गया है कि उद्घाटन तिथि तय होने से पहले 15 दिनों में सभी बाकी काम पूरे कर लिए जाएं। इसमें टर्मिनल व अन्य भवनों की सफाई, सड़कों से मलबा हटाना और सौंदर्यीकरण शामिल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को साइट का दौरा किया और दो हफ्तों में एयरपोर्ट को पूरी तरह तैयार करने के निर्देश दिए।

सितंबर में ब्क्चह्र्स से एयरसाइड सिक्योरिटी क्लियरेंस मिल चुका है। अब ष्ठत्रष्ट सिस्टम टेस्टिंग और ट्रायल फ्लाइट करेगा। भाटिया ने कहा, सभी सुरक्षा मानकों की जांच के बाद लाइसेंस जारी होगा, जिसके बाद उद्घाटन तिथि तय की जाएगी। पहले चरण में 3300 एकड़ में फैला यह ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट भारत के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक है। अब तक 6700 एकड़ जमीन अधिग्रहित हो

गैंगस्टर सुनील सरधानिया को दीपक नांदल कर रहा था फंडिंग

गुरुग्राम, एजेंसी। सिंगर और हरियाणवी रैपर राहुल यादव उर्फ फाजिलपुरिया पर फायरिंग और प्रॉपर्टी डीलर की हत्या करवाने में शामिल गैंगस्टर सुनील सरधानिया और गैंगस्टर दीपक नांदल साल 2008 से दोस्त है। जांच में खुलासा हुआ है कि सुनील सरधानिया को दीपक नांदल फंडिंग कर रहा था। इसी वर्ष दोनों के खिलाफ रोहतक और सोनीपत में पहला अपराधिक मामला दर्ज हुआ था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार दोनों 17 साल पुराने दोस्त है। दोनों के खिलाफ गुरुग्राम में भी तीन-तीन मुकदमे दर्ज हैं। पांच दिन के रिमांड के दौरान गैंगस्टर सुनील सरधानिया ने

पूछताछ में खुलासा किया की हत्या के मामले में हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद उसने सबसे पहले फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाया। इसके बाद दिल्ली से फ्लाइट लेकर सुनील दुबई पहुंच गया। जांच में सामने आया कि सुनील सरधानिया के पास रुपये नहीं थे। ऐसे में जेल से जमानत करवाने और इसके बाद फर्जी दस्तावेजों पर पासपोर्ट बनवाने के साथ-साथ दुबई तक पहुंचाने के लिए फंडिग दीपक नांदल ने की थी। वहां पर कुछ दिन रहने के बाद वह डंकी रूट के जरिए दीपक के साथ अमेरिका जाने की योजना तैयार की। साल 2024 में दुबई पहुंचने के बाद सुनील सरधानिया ने एजेंट से संपर्क किया। एजेंट के माध्यम से डंकी रूट से अमेरिका में पहुंचने की तैयारी थी। बीते दस महीनों से सुनील सरधानिया को एजेंट ने दुबई से आगे यूरोप के कुछ देशों का वीजा लगवाकर उसे फ्लाइट से वहां भेजा गया। वहां उसे डंकी रूट से मैक्सिको में अमेरिका तक पहुंचने का एजेंट ने रूट तैयार किया। इसके लिए एजेंट को लाखों रुपये दीपक नांदल ने ही दिए थे। बीते कुछ महीनों में सुनील सरधानिया 15 देशों की यात्रा करते हुए सेंट्रल अमेरिका के मध्य अमेरिका के कोस्टा रिका देश में पहुंच गया था।

टेस्ला को छोड़ देंगे मस्क? बोर्ड प्रमुख ने एक ट्रिलियन डॉलर की वेतन योजना पर चिंता जताई

ऑस्टिन (टेक्सास), एजेंसी।
टेस्ला की बोर्ड प्रमुख रोबिन डेनहोम ने चेतावनी दी कि अगर शेयरधारक छह नवंबर को कंपनी की सालाना बैठक में एलन मस्क के प्रस्तावित एक ट्रिलियन की भुगतान योजना को स्वीकार नहीं करते हैं, तो मस्क कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद से इस्तीफा दे सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अपने निवेशकों को लिखे पत्र में रोबिन डेनहोम ने कहा कि यह प्रदर्शन पर आधारित योजना मस्क को कम से कम अगले साढ़े सात वर्षों तकटेस्ला का नेतृत्व करते रहने के लिए बनाई गई।

उन्होंने कहा कि मस्क का नेतृत्व कंपनी के भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा पैकेज नहीं मिला जो उन्हें पद पर बने रहने के लिए प्रोत्साहित करे, तो टेस्ला उनके समय, प्रतिभा और दृष्टि को खो सकता है। उन्होंने आगे कहा, उनका योगदान महत्वपूर्ण है क्योंकि टेस्ला का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्वचालित ड्राइविंग तकनीक में विस्तार करने का लक्ष्य रखा है।

रॉयटर्स के मुताबिक, प्रस्ताविक योजना के तहत अगर टेस्ला 8.5 ट्रिलियन डॉलर का बाजार मूल्य और स्वचालित प्रणाली व रोबोटिक्स में प्रगति जैसे बड़े लक्ष्यों को पूरा करता है, तो मस्क को 12 अलग-अलग हिस्सों में शेयर विकल्प दिए जाएंगे। डेनहोम ने कहा कि यह योजना कंपनी की सफलता और शेयरधारकों के लाभ के अनुसार मस्क को इनाम देगा। उन्होंने निवेशकों से तीन ऐसे निदेशकों को फिर से चुनने को कहा, जो लंबे समय से मस्क के साथ करीब से काम कर रहे हैं।

कुछ शेयरधारकों और विशेषज्ञों ने टेस्ला के बोर्ड की आलोचना की है। उनका मानना है कि बोर्ड मस्क से पूरी तरह स्वतंत्र नही था। इस साल की शुरुआत में डेलावेयर की एक अदालत ने यह कहते हुए मस्क का 2018 का भुगतान समझौता रद्द कर दिया कि इसे ऐसे निदेशकों ने संभाला जो पूरी तरह स्वतंत्र नहीं थे।

मेटा ऑस्ट्रेलिया में देगा 270 करोड़ का मुआवजा

सिडनी, एजेंसी। मेटा ने ऑस्ट्रेलिया में फेसबुक उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता उल्लंघन से संबंधित मामले में पांच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 270 करोड़ रुपये) के मुआवजा फंड की घोषणा की है। यह ऑस्ट्रेलिया में गोपनीयता उल्लंघन के लिए अब तक का सबसे बड़ा भुगतान कार्यक्रम है। करीब 3.11 लाख ऑस्ट्रेलियाई फेसबुक उपयोगकर्ता इस फंड से मुआवजे के पात्र हैं। पात्र दावेदारों की दावा दर्ज करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। इस तरह के भुगतान कार्यक्रम अमेरिका में पहले भी शुरू हो चुके हैं। यह मुआवजा कैम्ब्रिज एनालिटिका प्रकरण से जुड़ा है, जिसमें 2010 के दशक में ब्रिटेन की एक डाटा कंपनी ने दुनिया भर के 8.7 करोड़ फेसबुक प्रोफाइलों से निजी जानकारी एकत्रित की थी।

जापान की पहली महिला पीएम से मिलकर खुश हुए ट्रंप, टोक्यो में बोले- ये तो बहुत मजबूत हैंडशेक है

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एशिया यात्रा के दूसरे दिन जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री साने ताकाइची से मुलाकात की। मुलाकात की शुरुआत में ट्रंप ने मुस्कुराते हुए कहा, यह तो बहुत मजबूत हैंडशेक है, जिससे माहौल खुशनुमा हो गया। इस औपचारिक मुलाकात में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार, सुरक्षा सहयोग और दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति पर दो महत्वपूर्ण समझौते किए। पहला समझौता नए स्वर्ण युग के नाम से जाना जा रहा है, जिसके तहत जापान अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करेगा और बदले में 15 प्रतिशत शुल्क दर लागू की जाएगी। दूसरा समझौता महत्वपूर्ण और दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर केंद्रित है, ताकि इलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत तकनीकी उद्योगों में निर्भरता कम की जा सके। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ताकाइची ने कहा कि वह जापान-अमेरिका गठबंधन का नया स्वर्ण युग शुरू करना चाहती हैं। उन्होंने ट्रंप की थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष में शांति स्थापित करने की भूमिका की भी प्रशंसा की और इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। ट्रंप का यह दौरा मलेशिया में आसियान सम्मेलन में भाग लेने और कंबोडिया-थाईलैंड शांति समझौते पर हस्ताक्षर के बाद हुआ है। मुलाकात की थी। टोक्यो के आकासाका पैलेस में हुए औपचारिक समारोह में दोनों नेताओं ने गार्ड ऑफ ऑनर की समीक्षा की और अधिकारियों से मुलाकात की। जापानी प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के साथ आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

तीसरी बार चुनाव लड़ना पसंद करूंगा, मेरे पास बेहतरीन आंकड़े..

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2028 में तीसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं कर रहे हैं। एयर फोर्स वन में पत्रकारों ने व्हाइट हाउस के पूर्व रणनीतिकार स्टीव बैनन के हालिया बयान के बारे में पूछा तो ट्रंप ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं ऐसा करना पसंद करूंगा। मेरे पास अब तक के सबसे बेहतरीन आंकड़े हैं। बैनन ने सुझाव दिया था कि ट्रंप को तीसरी बार चुनाव लड़ना चाहिए।

तीसरी बार चुनाव लड़ने पर गंभीरता से विचार नहीं किया: ट्रंप: हालांकि, ट्रंप ने तुरंत यह भी कहा कि उन्होंने वास्तव में तीसरी बार चुनाव लड़ने को लेकर अभी तक गंभीर तक गंभीरता से विचार नहीं किया है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि उनके मौजूदा कार्यकाल के बाद रिपलब्लिकन पार्टी का नेतृत्व कौन कर सकता है। उन्होंने 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के संभावित उम्मीदवारों के रूप में विदेश मंत्री मार्को रूबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का नाम लिया।

ट्रंप ने रूबियो और वेंस की जमकर तारीफ की: ट्रंप ने कहा, हमारे पास कुछ बहुत अच्छे लोग हैं। उन्होंने रूबियो की ओर इशारा करते हुए आगे कहा, हमारे पास शानदार लोग हैं। इस पर ज्यादा बात करने की जरूरत नहीं है। उनमें से एक तो यहीं खड़े हैं। राष्ट्रपति ने अपने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, स्पष्ट है कि जेडी बहुत शानदार हैं। उपराष्ट्रपति बेहतरीन हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई इन दोनों के खिलाफ चुनाव लड़ेगा।

बैनन तीसरी बार चुनाव लड़ने के लिए ट्रंप को कर रहे प्रोत्साहित: राजनीतिक पत्रिका पॉलिटिको के मुताबिक, ट्रंप के करीबी सहयोगियों में से एक स्टीव बैनन लंबे समय से उन्हें तीसरी बार चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में अपने पॉडकास्ट में कहा था कि एक योजना तैयार की जा रही है, जिससे ट्रंप तीसरी बार चुनाव लड़ सकें। हालांकि, अमेरिकी संविधान के तहत कोई भी राष्ट्रपति केवल दो कार्यकाल तक ही पद पर रह सकता है।

एशिया दौरे के दूसरे चरण में जापान पहुंचे ट्रंप: इस बीच, ट्रंप अपने एशिया दौरे के दूसरे चरण में जापान पहुंच गए हैं। इससे पहले उन्होंने मलयेशिया की यात्रा पूरी की, जहां उन्होंने आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। कुआलालंपुर से रवाना होने से पहले उन्होंने मलयेशियाई अधिकारियों और नागरिकों को विदा कहा, जिससे उनका 24 घंटे का दौरा समाप्त हुआ। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, अभी मलयेशिया से रवाना हो रहा हूं। यह एक शानदार और जीवंत देश है। यहां हमने बड़े व्यापारिक और दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ) समझौतों पर हस्ताक्षर किए और सबसे अहम बात.. थाईलैंड और कंबोडिया के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। कोई युद्ध नहीं! लाखों लोगों की जानें बचीं।

घर की सफाई नहीं की तो चंद्रप्रभा ने काट डाला पति का गला, अमेरिका में हुई गिरफ्तार

नॉर्थ कैरोलिना, एजेंसी।
अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना से हाल ही में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां राज्य के शार्लोट में घरेलू विवाद के बाद एक 44 वर्षीय भारतीय मूल की महिला ने कथित तौर पर अपने पति का गला काट दिया। जानकारी के मुताबिक घटना बीते 12 अक्टूबर को हुई। धारदार हथियार से चाकू से वार करने के आरोप में महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला की पहचान चंद्रप्रभा सिंह के रूप में हुई है। डब्लूबीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक महिला एक प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका की सहायक के रूप में काम करती थी। गिरफ्तारी वारंट के मुताबिक उस पर अवैध रूप से जानबूझकर, अपराधपूर्ण तरीके से किसी अन्य व्यक्ति पर हमले का आरोप लगाया गया है। उसका पति हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ और फिलहाल उसका इलाज जारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पति-पत्नी के बीच मामली बात को लेकर बड़ा झगड़ा हो गया था। चंद्रप्रभा ने कहा कि उसके पति ने घर की सफाई करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद वह निराश हो गई। हालांकि उसने पुलिस को बताया कि जब वह नाश्ता बनाने लगी तो गलती से पति को चाकू लग गई। वहीं पति ने बताया कि चंद्रप्रभा ने उस पर जानबूझकर हमला किया, जिसके बाद उसमें 911 पर कॉल किया। आरोपी महिला को शुरूआत में एक मजिस्ट्रेट ने जमानत देने से इनकार कर दिया था। हालांकि 13 अक्टूबर को अदालत में पेशी के दौरान उसे 10,000 डॉलर की जमानती राशि पर बेल मिल गई। फिलहाल महिला को जेल से रिहा कर दिया गया है लेकिन उसे घायल पति से कोई बातचीत ना करने का आदेश दिया गया है।

खिलचीपुर में आधे घंटे तेज बारिश: नपाध्यक्ष के वार्ड में नई नालियों के बावजूद सड़क पर पानी भरा

राजगढ़, निप्र। राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में सोमवार दोपहर हुई तेज बारिश ने नगर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। महज आधे घंटे की बारिश से दर्जी गली में दो फीट तक पानी भर गया, जिससे लोगों का पैदल निकलना मुश्किल हो गया। यह इलाका नगर पालिका अध्यक्ष राम जानकी मालाकार के वार्ड नंबर 15 में आता है। हाल ही में नगर पालिका ने लाखों रुपए खर्च कर यहां नई नालियां बनवाई थीं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन नालियों के निर्माण के बाद से जलभराव की समस्या और बढ़ गई है। सोमवार दोपहर 12:30 बजे से 1 बजे तक हुई बारिश के कारण गली में जलभराव की स्थिति बन गई। खड़े दोपहिया वाहनों के पहिए भी आधे पानी में डूबे हुए थे। लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ा।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि नालियों को सड़क के स्तर से ऊपर बनाया गया है, जिसके कारण बारिश का पानी बहने की बजाय सड़कों पर जमा हो जाता है। उन्होंने बताया कि इस समस्या के कारण उन्हें आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह गली नगर की सबसे व्यस्त सड़कों में से एक है, जो बस स्टैंड और मुख्य बाजार को जोड़ती है। इसके बाहर प्रसिद्ध खेड़ापति हनुमान मंदिर भी स्थित है, जहां सुबह-शाम श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। जलभराव के कारण श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में भी दिक्कत होती है। वार्डवासियों ने पहले भी कई बार नगर परिषद को नालियों के सही ढंग से न बनने और पानी निकासी की व्यवस्था सुधारने के लिए शिकायतें दी थीं। हालांकि, उनकी शिकायतों पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई, न ही निर्माण कार्य की जांच हुई और न ही कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचा। लोगों का कहना है कि ÷नगर पालिका अध्यक्ष का खुद का वार्ड हो और वहां भी ऐसी बदहाल स्थिति हो, तो बाकी वार्डों का हाल आसानी से समझा जा सकता है।÷ बारिश रुकने के बाद भी दर्जी गली में घंटों तक पानी जमा रहा।

संक्षिप्त समाचार

एक घंटे हुई बारिश, रबी की बोवनी का रकबा बढ़ने के आसार

मोयलीकलां, निप्र। रविवार दोपहर तीन बजे से मोयलीकलां और आसपास के क्षेत्रों में बारिश का दौर शुरू हुआ। करीब एक घंटे तक हुई तेज बारिश से सूखी जमीन में नमी आई और खेतों की कड़क मिट्टी नरम हो गई। किसानों का कहना है कि ये बारिश गेहूं, चना और लहसुन की फसल की बोवनी के लिए बेहद लाभदायक साबित होगी। पहले से बुवाई की गई लहसुन की फसल को भी फायदा मिलेगा। माना गांव, सेमला गोगा, बिजोरी, झाडला, मोयलीकलां और मूंडला बारौल में भी बारिश हुई, जिससे कुओं का जलस्तर बढ़ा और फसलों को जीवनदान मिलने की उम्मीद है।

समारोह : जागरूक करने के उपायों पर चर्चा की

तलेन, निप्र। विश्व हिंदू परिषद की दुर्गा वाहिनी बहनों ने रविवार को नगर के गांधी चौक स्थित धर्मशाला में दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया। समारोह में संगठन से जुड़ी बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में बहनों ने वर्तमान समय में हिंदू महिलाओं और बहनों को जागरूक करने के उपायों पर चर्चा की। साथ ही संगठन के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक बहनों को जोड़ने के लिए रणनीति बनाने पर मंथन किया गया। कार्यक्रम में संगठन की सक्रिय भागीदारी और सहयोग पर भी जोर दिया गया।

पुत्र ने पिता की हत्या की, अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई

सुसनेर, निप्र। सोयत थाना क्षेत्र के ग्राम खेरिया में पिता की हत्या करने के मामले में आरोपी पुत्र कालूराम दांगी को अपत्र सत्र न्यायालय ने आजीवन कारावास और 1000 रुपए के अर्थदंड से दण्डित किया। प्रकरण क्रमांक 127/23 के तहत 23 अप्रैल 2023 को अपने घर में पत्नी-पत्नी के विवाद के दौरान पिता पुरीलाल दांगी बीच बचाव के लिए आए, तब कालूराम ने लौहे के पाइप से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। पिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। न्यायाधीश अखिलेश कुमार धाकड़ ने शासकीय अधिवक्ता मुकेश जैन चौधरी के तर्कों को मान्यता देते हुए आरोपी को भादवि की धारा 302 एवं अन्य धाराओं में दोषी करार दिया।

ज्यादा कीमतों पर खाद बेचने पर लाइसेंस सस्पेंड

राजगढ़, निप्र। जीरापुर में उर्वरक विक्रेता निलेश ट्रेडर्स (प्रो. राकेश / रमेशचंद्र गुप्ता) के खिलाफ कार्रवाई की गई। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास सचिन जैन ने बताया कि शनिवार को ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में मूल्य सूची चस्पा न होना, स्टॉक एवं वितरण पंजी का संधारण न होना और केश मेमो जारी न होना जैसी अनियमितताएं सामने आईं। इसके अलावा उर्वरक अधिक मूल्य पर विक्रय किया जा रहा था। उल्लंघनों के आधार पर विक्रेता का विक्रय तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया और उसका पंजीयन निलंबित कर दिया गया।

मथुराधीश प्रभु को छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया, महाआरती उतारी

राजगढ़, निप्र। मथुराधीशजी प्रभु की हवेली यानी छोटे श्रीनाथ मंदिर पर रविवार को भव्य छप्पन भोग महोत्सव संपन्न हुआ। इस अवसर पर परम पूज्य गो श्री 108 विनय कुमार महाराज ने अपने कर कमलों से प्रभु मथुराधीश को 56 प्रकार के स्वादिष्ट भोग अर्पित किए। कार्यक्रम में वैष्णव जनों ने सपरिवार भाग लेकर दिव्य महोत्सव का आनंद लिया। महोत्सव के दौरान गोचारण लीला और दीपदान का भी आयोजन किया गया। शाम 5 बजे भव्य छप्पन भोग दर्शन के बाद 7:30 बजे महाप्रसादी का वितरण हुआ। आयोजन का संचालन मथुराधीश हवेली परिषद के व्यवस्थापक गोपाल विजयवर्गीय ने किया। मंदिर के मुख्य पुजारी गोपाल शर्मा ने महाआरती संपन्न कराई।

गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा म्यूचुअल एड पार्टनर्स के साथ

ग्राम गोरखपुरा में ऑफ-साइट मॉक ड्रिल किया

राजगढ़, निप्र। गेल (इंडिया) लिमिटेड ने अपने म्यूचुअल एड पार्टनर्स के साथ सोमवार को गोरखपुरा गांव के पास एक ऑफ-साइट मॉक ड्रिल किया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य गैस पाइपलाइन संचालन के दौरान किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयारियों का आकलन करना था। मॉक ड्रिल प्लेटफॉर्म का उपयोग आमजन और प्रशासन के अधिकारियों को बिजली के खंभों के खतरों, अतिक्रमण तथा थर्ड पार्टी डैमेज से होने वाले खतरों से अवगत कराने के लिए एक जागरुकता मंच के रूप में भी किया गया था।

मॉक ड्रिल के दौरान दिखाया गया कि गोरखपुरा गांव में गैस पाइपलाइन के ऊपर मुरुम खोदने के लिए एक जेसीबी चालक द्वारा खुदाई किया जा रहा था और खुदाई के दौरान उसने पाइपलाइन को क्षति ग्रस्त कर दिया और गैस रिसाव होने लगा जिसकी सूचना एक राहगीर ने गेल के टोल फ्री नंबर 15101 पर दी गई थी और विजयपुर स्थित गेल नियंत्रण कक्ष को प्राप्त हुई थी। गेल की क्यूआरटी टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर उस क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। फायर टेंडर और पाइप विभाग की मैंटेनेंस टीम को भी घटनास्थल पर भेजा गया। गेल कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रिसाव स्थल पर पहुंचे और पाया कि रिसाव एक बड़े रिसाव में बदल गया है। तुरंत गेल ने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप के लिए अनुरोध किया। राजगढ़ प्रशासन को आपातकालीन कॉल किए गए। कलेक्ट्रेट कार्यालय से दमकल टीम, नगरपालिका तथा एसडीआरएफ टीम को तुरंत घटना स्थल पर पहुंचने के लिए निर्देशित किया गया।

अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी श्रीमति अंकिता जैन, डी.सी. होमगार्ड श्री डी.आर. वर्मा, तहसीलदार श्री अनिल शर्मा भी घटनास्थल पर तुरंत पहुंचे। तब तक पाइपलाइन से लीक हो रही प्राकृतिक गैस ने पास के गुजर रही इलेक्ट्रिक लाइन में स्पार्किंग के कारण आग पकड़ ली। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में नगरपालिका फायर टीम, एसडीआरएफ टीम, मेडिकल टीम, गेल टीम, थिंक गैस (राजगढ़) (म्यूचुअल एड पार्टनर्स) ने फायर मॉक ड्रिल में भाग लिया और आग को तुरंत बुझा दिया गया।

आसमान से बरसा अमृत, नहीं निकला सूरज

ब्यावरा में 9.4 मिमी बारिश दर्ज

ब्यावरा, निप्र। मौसम में आया बदलाव इस बार किसानों के लिए राहत भरा रहा है। आसमान पर सुबह से ही घने काले बादलों का डेरा है, दिन भर रुक-रुक कर बारिश होती रही है। ब्यावरा तहसील में 9.4 मिमी बारिश रिकार्ड हुई है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अभी अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बना हुआ है। जिससे 28 तक बारिश का दौर इसी प्रकार जारी रहेगा। 29 से आसमान पूरी तरह साफ होगा।

उधर कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक इस समय खेतों में किसान बुवाई कर रहा है, जिसके लिए पानी की ज़रुरत होती है, इसलिए ये बारिश तो खेती के लिए अमृत के समान है। शुक्रवार तक आसमान साफ था, लेकिन शनिवार को मौसम में बदलाव आया है। हालांकि दिन में कुछ समय बारिश हुई थी, लेकिन हल्की धूप भी खिली थी। रविवार को तो सुबह से ही आसमान पर घने काले बादल छाए रहे हैं। दिन भर सूरज के दर्शन नहीं हुए। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात को न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। प्रदेश के पांच शहरों में राजगढ़ जिला भी शामिल है, जहां रात ठंडी रही है। अधिकतम तापमान में भी गिरावट आई, जिससे लोगों को दिन में भी ठंडक का अहसास हुआ है।

बुजुर्ग तो गर्म कपड़ों में लिपटे दिखाई दिए। जबकि राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ में सबसे अधिक यानी 32.6 डिसे तापमान दर्ज हुआ है। 28 तक जारी रहेगा बारिश का दौरः मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिन तक इसी प्रकार से रुक-रुक कर कुछ स्थानों पर बारिश जारी रहने वाली है। ऐसे में तापमान में गिरावट का सिलसिला जारी रहेगा। इसके साथ ही ठंड भी बनी रहेगी। 29 से आसमान जरुर साफ होगा, लेकिन गुलाबी सर्दी का दौर अब अब शुरू हो गया है।

फसलों को होगा लाभः कृषि विशेषज्ञ एवं सहायक उप संचालक प्रहलाद सिंह के मुताबिक किसान अभी गेहूं, सरसों सहित जो भी फसलों की बुवाई करेंगे, उसके लिए यह पानी लाभदायक होने वाला है। क्योंकि इस समय किसानों को बुवाई के लिए पानी की ज़रुरत होती है, ऐसे में ये पानी खेती के लिए अमृत से कम नहीं है।

सारंगपुर में सुबह से शाम तक हुई हल्की बारिश, घुली ठंडक

सारंगपुर, निप्र। मौसम में अचानक आए परिवर्तन से रविवार को नगर और आसपास के ग्रामीण अंचलों में बारिश की वजह से ठंडक घुल गई। शनिवार को तेज धूप और गर्मी से लोग बेहाल थे, वहीं रविवार की सुबह से ही आसमान पर घने बादल छा गए। दिनभर रुक-रुक कर तो कभी तेज बारिश हुई। कृषि विशेषज्ञों और किसानों का कहना है कि यह बारिश रबी सीजन की फसलों के लिए फायदेमंद है। खेतों में नमी बढ़ने से गेहूं, चना, मसूर जैसी फसलों की बुवाई में आसानी होगी। वहीं जिन खेतों में पहले से जुताई की जा चुकी है, वहां बारिश होने से बोवनी करना आसान होगा। किसान रमेश चंद किरार ने बताया कि यह बारिश हमारे लिए फायदेमंद है।

अतिवृष्टि से सोयाबीन की फसल चौपट, मुआवजे के इंतजार में किसान

संडावता, निप्र। क्षेत्र में अतिवृष्टि और पीला मौजक रोग के कारण इस बार सोयाबीन की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। अधिकांश किसानों को एक से डेढ़ क्विंटल प्रति बीघा ही उत्पादन मिला, जिससे लागत भी नहीं निकल पाई। मजबूरन कई किसानों ने दीपावली पूर्व ही 3200 से 3600 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर सोयाबीन बेच दी, जबकि कुछ सक्षम किसानों ने फसल भावांतर योजना के लिए रोक रखी है। फसल नुकसान के बाद प्रशासनिक टीम ने खेतों का सर्वे कर 75 प्रतिशत तक नुकसान की पुष्टि की थी, लेकिन सर्वे को एक माह से अधिक बीत जाने के बावजूद अब तक मुआवजे की राशि किसानों के खातों में नहीं पहुंची है।

गृह-गृह यज्ञ होगा, तैयारियों को लेकर बैठक हुई

तलेन, निप्र। गायत्री मंदिर तलेन पर रविवार को साप्ताहिक यज्ञ के बाद सुबह 10:30 बजे दीपावली मिलन बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति द्वारा पिछले दिनों आयोजित कन्या भोज भंडारे का आय-व्यय प्रस्तुत किया गया और उसकी व्यवस्था पर समीक्षा की गई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों का निर्णय लिया गया। इसमें तय हुआ कि गायत्री मंदिर तलेन पर 7 दिसंबर को रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। वहीं टीकरिया गांव में 14 दिसंबर को गृह-गृह यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। बैठक में कार्यकारिणी

समिति सदस्य एवं गायत्री परिवार के परिजन उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025 का आयोजन

राजगढ़, निप्र। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 12 जनवरी को %स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण देश में राष्ट्रीय युवा दिवस तथा पूर्ण सप्ताह राष्ट्रीय युवा सप्ताह के रूप में मनाने के निर्देश प्राप्त हुए है। वर्ष 1995 से निरंतर राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में युवा एकीकरण, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, कला और सांस्कृतिक पहलुओं को समझने और सराहने, एक-दूसरे की संस्कृतियों का अन्वेषण करना, पारंपरिक कला रूपों को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक विविधता के प्रति सम्मान तथा युवाओं को उनकी प्रतिभा का प्रदर्शन करने हेतु मंच प्रदान करने के मुख्य उद्देश्य से ÷राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन 01 से 12 जनवरी 2026 तक भारतमण्डपम, नई दिल्ली में 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं हेतु विकसित भारत यंग लिडर्स डायलॉग के तहत् किया जा रहा है। संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी श्रीमती शर्मिला डावर ने बताया कि 29 वें राष्ट्रीय युवा उत्सव 2026 के अन्तर्गत ÷सांस्कृतिक और नवाचार थीम÷ में जिला, संभाग, राज्य स्तर पर 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा 07 विधा यथा भाषण, कहानी लेखन, कविता लेखन, पेंटिंग, समूह लोकगीत, समूह लोकनृत्य एवं विज्ञान मेला प्रदर्शनी में प्रतिभागिता करेंगे। उक्त 07 विधाओं में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन जिला मुख्यालय पर 03 नवम्बर, 2025 को प्रातः 09:00 बजे इण्डोर खेल परिसर में किया जाएगा। जिला स्तर पर युवा उत्सव में प्रतिभागिता करने के लिए युवाओं को माय भारत पोर्टल में ऑनलाईन तथा ऑफलाईन पंजीयन फार्म कार्यालय जिला खेल और युवा कल्याण विभाग राजगढ से प्राप्त कर 01नवम्बर, 2025 तक कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

राजगढ़ में 7 कर्मचारियों की वेतन वृद्धि रोकी: डीडीए पर जुर्माना

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के समाधान में ढिलाई पर कार्रवाई

राजगढ़, निप्र। राजगढ़ में आगामी 1 नवम्बर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की तैयारियों को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए कई अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की। कलेक्टर ने ई-ऑफिस में लंबे समय से लंबित फाइलों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के समाधान में लापरवाही पर नाराजगी जताई। उन्होंने 7 कर्मचारियों की वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए, जिनमें कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी और कलेक्ट्रेट कार्यालय के वरिष्ठ लिपिक भी शामिल हैं। वहीं डी.डी.ए. पर खराब कार्य प्रदर्शन के चलते 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। सीएम हेल्पलाइन के मामलों में लगातार खराब प्रदर्शन पर एल.डी.एम. के खिलाफ वित्त आयुक्त को कार्रवाई की अनुशंसा की गई। इसके साथ ही कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अब कोई भी फाइल मैनुअल रूप से न भेजी जाए, सभी कार्रवाई ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही की जाए। बैठक में तहसीलदार ब्यावरा को 30 दिन से अधिक समय तक ई-ऑफिस में लॉगिन नहीं करने पर नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लंबित शिकायतों के समाधान को अब टीएल बैठक में शामिल कर सख्त निगरानी रखी जाएगी। समीक्षा के दौरान हथकरघा विभाग की सहायक संचालक दिव्या पवार, कार्यपालन यंत्री जे.के. ठाकुर और जल संसाधन विभाग के अधिकारी भी शिकायतों के निस्तारण में सबसे कमजोर पाए गए। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को चेताया कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो आगे और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

सत्तापक्ष -विपक्ष दोनों ओर से हो रही चुनावी सौदेबाजी

बिहार में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सत्ताधारी और विपक्षी दलों की ओर से मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए घोषणाओं और वादों का सिलसिला जारी है। जनता अपना समर्थन किस राजनीतिक दल या पक्ष को दे, यह इस पर निर्भर करता है कि वह किसे अपने या व्यापक हितों के अनुकूल समझती है। यह लोकतंत्र का एक जीवन-तत्त्व है कि राजनीतिक पार्टियां सत्ता हासिल करने के लिए जनता के हितों को केंद्र में रखें।मगर इस क्रम में पिछले कुछ वर्षों में हुआ यह है कि लगभग सभी राजनीतिक दल ऐन चुनावों के वक्त आम लोगों के सामने उनके हित के नाम पर ऐसे वादे करती हैं कि साधारण मतदाता कई बार सभी पक्षों की ईमानदारी का समग्र मूल्यांकन करने के बजाय तात्कालिक घोषणाओं से प्रभावित हो जाते हैं। इसका स्वाभाविक असर मतदान पर पड़ता है, लेकिन यह समझने की कोशिश नहीं की जाती कि चुनावी सौदेबाजी से देश की अर्थव्यवस्था और राजनीतिक शुचिता किस तरह प्रभावित होती है। बिहार में वोट जुटाने के मकसद से सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और विपक्षी महागठबंधन की ओर से मतदाताओं को रिझाने के लिए कई तरह की सौगात देने की घोषणाएं की गई हैं। अगर वे सचमुच पूरी होती हैं, तो इसके लिए संसाधन कहां से आएंगे, इसका राज्य की अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ेगा, इसे लेकर किसी में चिंता नहीं दिखाई देती है। मसलन, चुनावों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत करीब सवा करोड़ महिलाओं को दस-दस हजार रुपए की राशि दी गई, जिससे राज्य के खजाने से बारह हजार करोड़ रुपए से ज्यादा व्यय हुए। इसी तरह, बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली, जीविका, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा की गई। दूसरी ओर, विपक्षी महागठबंधन की ओर से सबसे बड़ी घोषणा हर परिवार से एक को सरकारी नौकरी देने की हुई। इसके अलावा, हर जीविका दीदी को तीस हजार रुपए वेतन और अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने का वादा किया गया।जो घोषणाएं सत्ता और विपक्षी दलों ने बिहार के लोगों के लिए की हैं, उनकी जरूरत दरअसल इसलिए पड़ी कि राज्य में अब तक जरूरत के मुताबिक सरकारी कल्याण कार्यक्रम पूरे नहीं किए गए, व्यापक बेरोजगारी गंभीर समस्या बनी हुई है और एक बड़ी आबादी के लिए अभाव का सामना करना एक रोजमर्रा की मुश्किल है। सवाल है कि सभी दलों को आखिर इस तरह के वादे या घोषणाएं करने की जरूरत तभी क्यों पड़ती है, जब चुनाव सिर पर होते हैं। सत्ता में रहते हुए उनकी प्राथमिकताएं आम जनता के बजाय कुछ और क्यों हो जाती हैं?यह एक आम हकीकत है कि अगर सरकार के सामने बेरोजगारी या अन्य समस्याओं का जिक्र किया जाता है, तो वह धन की कमी का रोना रोने लगती है। फिर चुनावी सौदेबाजी के तहत परोसी जाने वाली मुफ्त की सुविधाओं के लिए धन और संसाधन कहां से आ जाते हैं? हालांकि एक पक्ष यह भी है कि अगर कोई भी सरकार ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करे, तो वह नागरिकों को आर्थिक-सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बिना अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाए सब कुछ कर सकती है, लेकिन यह इस पर निर्भर करता है कि कल्याण कार्यक्रमों का स्वरूप क्या है। अगर कोई सुविधा आम जनता को मुफ्त मुहैया कराई जाती है तो किसी न किसी रूप में उसकी कीमत लोगों को ही चुकानी पड़ती है।

अब एक अजब विसंगति पैदा हो गई है। एक ओर विकास यात्रा है, जिसे निरंतर गति देने के लिए अनुसंधान, कृत्रिम मेधा शक्ति और इंटरनेट ताकत की जरूरत है। दूसरी ओर अगर करोड़ों गरीबों की ओर देखते हैं, तो उनके लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था क्या है? उनको क्या केवल लंगरों से रोटी मिलेगी? भूख से न मरने देने की उन्हें गारंटी तो दे दी, लेकिन रोजगार की गारंटी नहीं दी। हम अधुनातन वैज्ञानिक क्रांति की बातें करते हैं, लेकिन भावी पीढ़ियों के लिए आधुनिक शिक्षा क्रांति कहां है? भारत के करोड़ों युवा आज भी पुराने ढंग की शिक्षा के चक्रव्यूह में क्यों घिरे हुए हैं? कृत्रिम मेधा की शक्ति की बातें करने के बावजूद हमने पाठ्यक्रम क्यों नहीं बदला? उनका मार्ग निर्देशित करने वाले निपुण अध्यापक कहां हैं? इस तरह से ज्ञान का जो शून्य पैदा हो रहा है, वह इन सरपट दौड़ती हुई आर्थिक प्रगति के बीच कहीं पीछे छूट गया है।

विकास के विपरीत विषमता की तस्वीर

दुनिया भर में अमीर और गरीब के बीच बढ़ती जा रही है खाई

सुरेश सेठ

भारतीय संस्कृति 'वसुधैव कुटुंबकम' को महत्त्व देती आई है। इसका अर्थ यह है कि पूरी धरती और उस पर बसने वाले सभी देश और उनके नागरिक एक परिवार हैं। अगर एक कुटुंब में कोई कमजोर है, कोई रोगी है, तो उसको फिर से स्वस्थ करना या उसकी सहायता करना इस कुटुंब का कर्तव्य है। अर्थशास्त्र में भी कहा जाता है कि अगर विश्व के किसी भी कोने में गरीबी है, तो वह पूरी दुनिया की समृद्धि और संपन्नता के लिए संकट पैदा कर सकती है। यह बात कितनी सच है, यह इक्कीसवीं सदी के इस आपाधापी वाले युग में नजर आने लगी है।

किसी समय तीसरी दुनिया के उभरते हुए देशों को सहारा देने और उनके व्यवसाय को प्रगति देने के लिए समृद्ध देश अपना कंधा भिड़ा देते थे। कहीं उन्हें कर में रियायत मिल जाती, कहीं अनुदान मिल जाता और उनके पिछड़ेपन को दूर करने का प्रयास होता। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय फलक पर कई वैश्विक मंच स्थापित किए गए। निश्चय ही इन मंचों को स्थापित करने में अमेरिका और पश्चिमी देशों का योगदान रहा है, लेकिन धीरे-धीरे उनका अपना स्वार्थ प्रबल होता चला गया। भौतिकता के इस युग में केवल अपना घर ही नजर आने लगा। दूसरे का गिर जाए, तो भी क्या!

वैश्विक पटल पर कुछ वर्ष पहले डोनाल्ड ट्रंप उभरे और उन्होंने 'अमेरिका अमेरिकियों के लिए' का नारा दिया। बिल्कुल उसी तरह अन्य पश्चिमी देशों ने भी अपने हित साधने पर ध्यान देना शुरू कर दिया। इस तरह गुट सापेक्ष राजनीति हावी होने लगी। इसमें गरीब देशों की कोई परवाह नहीं थी। परिणाम यह हुआ कि उन सभी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तीसरी दुनिया के उभरते देशों को आर्थिक सहयोग मिलना बंद हो गया। समृद्ध देश अपने पुराने वादों से मुकरने लगे।

जलवायु परिवर्तन दुनिया के लिए बहुत बड़े संकट के रूप में सामने आ रहा था। पश्चिमी देशों का रुख था कि इसका मुकाबला करने के लिए अधिक राशि देंगे, लेकिन बाद में वे इससे मुकर गए। उन्होंने यह भी चाहा कि जो प्रवासी उनके देश में आ गए हैं, उन्हें वापस उनके देश भेज दिया जाए। ऐसा हुआ भी। अमेरिका ने यह कदम उठा लिया। इसे पूरी दुनिया ने देखा। फिर शुरू हो गया शुल्क संग्राम। कहा गया कि हम पिछड़े हुए देशों से जो सामान मंगवाते थे, उन पर अब अधिक शुल्क नहीं देंगे, बल्कि संबंधित देश के बराबर या उससे अधिक शुल्क लगाएंगे।

इस प्रकार पिछड़े हुए देशों के निर्यात के साथ उनके लघु, कुटीर उद्योगों और दस्तकारियों पर चोट पहुंची। जो देश पिछड़ गए थे, उनकी परवाह किए बगैर समृद्ध देश अंतरिक्ष में संसार बसाने की बातें करने लगे और अपने स्थानीय नागरिकों के लिए एक

सुनहरा संसार रचने को प्राथमिकता देने लगे। इसकी चोट अगर गरीब देशों को पहुंचती है, तो पहुंचे। नतीजा यह हुआ कि गरीब देश जो खनिज शक्ति से संपन्न थे और कृषि पैदावार से भरपूर थे, वे वैसी समृद्धि नहीं प्राप्त कर पाए, जिस तरीके से समृद्ध देशों ने हासिल की और नई आर्थिक उड़ान भरी।भारत का भी यही हाल है। घोषणा की गई है कि हम आर्थिक क्षेत्र में तीसरी महाशक्ति बनने जा रहे हैं। वर्ष 2047 तक शायद हम दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएं। यह सपना निश्चय ही अमेरिका और चीन को पछाड़ने का है, लेकिन दुनिया के गरीब देशों को देखते हैं, तो पाते हैं कि असमानता यहां आज भी कायम है। अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ती जा रही है। भारत को अपनी विकास गति पर अभिमान है। यह कहते हुए नहीं थकते कि हमने दुनिया में सबसे तेज आर्थिक रफ्तार हासिल की है।

मगर इसका भी यही हाल है। कहा जाता है कि भारत एक अमीर देश है, जिसमें गरीब बसते हैं। ये गरीब सस्ते राशन के लिए शायद अनंतकाल तक कतार लगाएंगे। अभी संयुक्त राष्ट्र की खाद्य सहायता एजंसी की एक रपट आई है. जिसमें एक बहुत गंभीर संकट की ओर इशारा किया गया है कि समृद्ध देशों ने अंतरराष्ट्रीय खाद्य सहायता कार्यक्रम का वित्तपोषण करने से इनकार कर दिया है। इससे फिलहाल कुछ गरीब देशों में भुखमरी के खिलाफ लड़ाई प्रभावित हो सकती है।

समृद्ध देशों द्वारा हाथ खींचने के कारण कम से कम छह देशों में करोड़ों लोग भुखमरी की चपेट में आ गए हैं। करीब 1.4 करोड़ लोग ऐसे हैं जो अभी भुखमरी के कगार पर हैं। इनमें अफगानिस्तान, कांगो, हैती, सोमालिया, दक्षिणी सूडान और सूडान शामिल हैं। यहीं नहीं, भारत में लाखों लोगों की जीवन रेखा बीमारी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई से टूटती हुई नजर आ रही है। उस विकास दर के बढ़ने का क्या फायदा, जहां विकास अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुंच रहा है। भारत जैसे देशों में यथास्थिति दिख रही है।

भारत का एक भाग जिसे आधुनिक या समृद्ध कह सकते हैं, वह तेजी से विकास की दौड़ लगा रहा है। जबकि तीन-चौथाई आबादी पिछड़ गई है। भुखमरी की परिभाषा बदल कर लोगों को भुखमरी से बाहर आने की घोषणा बेशक कर दी जाए, लेकिन सच यही है कि बेरोजगारी और अंधकारमय भविष्य का संकट सामने है। फिर भी कुछ बड़े देशों ने अंतरराष्ट्रीय सहायता कार्यक्रम के लिए चालीस फीसद कम वित्तपोषण का फैसला किया है। यानी इनका अनुमानित बजट अगर दस अरब डालर था, तो अब यह घट कर करीब छह अरब डालर रह जाएगा। दूसरी ओर, इस समय वैश्विक ताप का संकट पूरी दुनिया पर मंडरा रहा है। गरीब देशों की अर्थव्यवस्था पहले से मुश्किल में है। वहीं समृद्ध देशों ने वादाखिलाफी कर जलवायु संकट से लड़ने के लिए अतिरिक्त राशि देने से इनकार कर दिया है। अमेरिका ने अपने शुल्क में भी कोई राहत नहीं दी। नतीजा यह हुआ कि तीसरी दुनिया के देश बेहाल हैं। प्रदूषण से संघर्ष करने का संकल्प पूरा होता नजर नहीं आ रहा है। अब एक अजब विसंगति पैदा हो गई है। एक ओर विकास यात्रा है, जिसे निरंतर गति देने के लिए अनुसंधान, कृत्रिम मेधा शक्ति और इंटरनेट ताकत की जरूरत है। दूसरी ओर अगर करोड़ों गरीबों की ओर देखते हैं, तो उनके लिए रोजी-रोटी की व्यवस्था क्या है? उनको क्या केवल लंगरों से रोटी मिलेगी? भूख से न मरने देने की उन्हें गारंटी तो दे दी, लेकिन रोजगार की गारंटी नहीं दी। हम अधुनातन वैज्ञानिक क्रांति की बातें करते हैं, लेकिन भावी पीढ़ियों के लिए आधुनिक शिक्षा क्रांति कहां है? भारत के करोड़ों युवा आज भी पुराने ढंग की शिक्षा के चक्रव्यूह में क्यों घिरे हुए हैं? कृत्रिम मेधा की शक्ति की बातें करने के बावजूद हमने पाठ्यक्रम क्यों नहीं बदला? उनका मार्ग निर्देशित करने वाले निपुण अध्यापक कहां हैं? इस तरह से ज्ञान का जो शून्य पैदा हो रहा है, वह इन सरपट दौड़ती हुई आर्थिक प्रगति के बीच कहीं पीछे छूट गया है। इस शून्य को भरने के लिए क्या एक क्रांतिकारी सोच की जरूरत नहीं है? यह सोच संतुलन की है। संस्कृति के आदर्शों के साथ आर्थिक प्रगति के संतुलन की है और भौतिकवाद की कड़वी सच्चाइयों से जूझने के बावजूद अपने आदर्शों और अपनी कीमत को बनाए रखने की है। भारत यह संतुलन बना ले, तो निश्चय ही वह 'विश्वगुरु' बन सकता है, जिसका सपना 2047 के लिए देश का नेतृत्व देखता है। मगर रोजी-रोटी की गारंटी के बिना सपनों की यह उड़ान किस काम की?

संतुलन, संयम और सक्रियता जयशंकर की पहचान,

निकाल दिया भारत-अमेरिका रिश्तों में आई समस्या का समाधान!

नीरज कुमार दुबे

भारत और अमेरिका के बीच बीते कुछ महीनों से जो आर्थिक और रणनीतिक असहमति का दौर चल रहा है, उसने दोनों देशों के स्वाभाविक साझेदारी वाले रिश्ते पर गहरा असर डाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाना इस तनाव का चरम बिंदु रहा। भारत ने इसे अनुचित, असंगत और अविवेकपूर्ण करार दिया। किंतु कूटनीति का मूल्य संकट के समय ही मापा जाता है और यही बात कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन के इतर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मुलाकात में स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

जयशंकर और रुबियो की यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता लगभग अंतिम दौर में है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं और सूत्रों के अनुसार समझौता बहुत जल्द होने वाला है। यह संकेत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत-अमेरिका व्यापारिक तनाव का असर सिर्फ द्विपक्षीय नहीं बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और हिंद-प्रशांत की आर्थिक स्थिरता पर भी पड़ रहा है। भारत की ओर से यह कोशिश स्पष्ट दिख रही है कि वह न केवल शुल्क विवाद को सुलझाना चाहता है, बल्कि व्यापक आर्थिक सहयोग को फिर से गति देना चाहता है।

रुबियो ने भी अपने बयान में यह स्वीकार किया कि भारत हमारा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सहयोगी है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों को लेकर उठे सवालों पर सफाई देते हुए कहा कि हम पाकिस्तान के साथ रिश्ते भारत की कीमत पर नहीं बढ़ा रहे। यह वक्तव्य अमेरिकी विदेश नीति के उस द्वंद्व को भी रेखांकित करता है, जिसमें वाशिंगटन इस्लामाबाद को फिर से अपनी रणनीतिक गणना में शामिल करना चाहता है, लेकिन नई दिल्ली की संवेदनशीलता को भी नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता। देखा जाये तो अमेरिका और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ महीनों में बढ़ती निकटता भारत के लिए चिंता का विषय रही है, खासकर तब जब ट्रंप प्रशासन ने मई में भारत-पाकिस्तान सीमा संघर्ष के बाद पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर से सीधी वार्ता की। अमेरिका का यह दावा कि ट्रंप ने संघर्ष विराम में मध्यस्थता की, नई दिल्ली के लिए अस्वीकार्य रहा। रुबियो ने भले ही यह स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते संबंध भारत की कीमत पर नहीं होंगे, लेकिन कूटनीति में ऐसी पंक्तियाँ आश्वासन से अधिक संकेतों का माध्यम होती हैं। भारत के लिए संदेश साफ है कि वाशिंगटन अपनी क्षेत्रीय रणनीति में इस्लामाबाद को पूरी तरह अलग नहीं करेगा, पर नई दिल्ली को साझेदारी में बराबरी का दर्जा देने की कोशिश जारी रखेगा।

साथ ही रुबियो की टिप्पणी कि भारत ने पहले ही तेल खरीद में विविधता लाने की इच्छा व्यक्त की है यह दर्शाती है कि अमेरिका अब भारत के ऊर्जा निर्णयों पर सीधे दबाव डालने के बजाय संवाद का रास्ता अपना रहा है। यह एक व्यावहारिक बदलाव है। रूस से सस्ता तेल खरीदना भारत के लिए महज़ ऊर्जा नीति नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का प्रश्न है। जयशंकर बार-बार यह दोहरा चुके हैं कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप निर्णय लेता है। इस पृष्ठभूमि में रुबियो की भाषा अपेक्षाकृत संयमित और यथार्थपरक दिखी, जो बताती है कि अमेरिका भारत की स्वायत्त विदेश नीति को धीरे-धीरे स्वीकार करने की दिशा में है।

इसके अलावा, जयशंकर की मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रियों से हुई अलग-अलग बैठकों का महत्व भी इसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। आसियान भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का प्रमुख स्तंभ है और चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत इस मंच को अपने रणनीतिक संतुलन के रूप में देखता है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात, सिंगापुर के विवियन बालाकृष्णन के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा और कोरिया के साथ सेमीकंडक्टर व रक्षा सहयोग पर वार्ता, ये सब भारत की बहुध्रुवीय कूटनीति की झलक हैं।

जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट है कि भारत किसी एक ध्रुव– चाहे वह अमेरिका हो या रूस, पर निर्भर नहीं रहना चाहता। बल्कि वह एशिया और इंडो-पैसिफिक में अपने साझेदारों के साथ मिलकर एक समावेशी सुरक्षा व आर्थिक ढाँचा बनाना चाहता है।

देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि संकट के दौर में भी संवाद के पुल टूटते नहीं। चाहे वह 1998 के परमाणु परीक्षण हों या आज के शुल्क विवाद, हर बार दोनों देशों ने कूटनीतिक विवेक से संबंधों को संभाला है। जयशंकर-रुबियो वार्ता भी उसी परंपरा का विस्तार है। दोनों नेताओं के बयान यह संकेत देते हैं कि मतभेदों के बावजूद मित्रता की भाषा कायम है। रुबियो का यह कहना कि भारतीय कूटनीति परिपक्व और व्यावहारिक है दरअसल भारत की वैश्विक स्थिति की स्वीकारोक्ति है। वाशिंगटन अब यह समझ रहा है कि नई दिल्ली को केवल रणनीतिक भागीदार के रूप में नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र शक्ति केंद्र के रूप में स्वीकार करना होगा।

साथ ही कुआलालंपुर की मुलाकात को सिर्फ एक औपचारिक राजनयिक घटना मानना भूल होगी। जयशंकर ने जिस संतुलन, संयम और सक्रियता के साथ आसियान मंच का उपयोग किया, वह दर्शाता है कि भारत आज केवल प्रतिक्रियात्मक कूटनीति नहीं कर रहा, बल्कि अपनी शर्तों पर वैश्विक संवाद को आकार दे रहा है। वहीं, रुबियो का संयमित स्वर बताता है कि अमेरिका भी भारत को अब सिर्फ एक 'पार्टनर' नहीं बल्कि एक 'पोल', यानी शक्ति के स्वतंत्र केंद्र, के रूप में देखने को तैयार हो रहा है। तनाव भले ही बाकी हों, पर संवाद जारी है और यही किसी भी परिपक्व साझेदारी की असली कसौटी होती है।

जीवन का एक सुगंधित फूल है मजाक

वातावरण में फैलाता है अपनापन और मुस्कान

मुनीष भाटिया

मानव जीवन भावनाओं, संवेदनाओं और व्यवहारों की डोर से बुना हुआ है। हम सब अपने-अपने जीवन में खुशियां तलाशते हैं, पर कभी-कभी अपनी खुशी की तलाश में हम यह भूल जाते हैं कि किसी और के चेहरे पर हमारे व्यवहार का क्या प्रभाव पड़ रहा है। अक्सर यह छोटी-सी गलती मजाक के रूप में सामने आती है। मजाक करना और मजाक उड़ाना- इन दोनों के बीच बहुत सूक्ष्म, लेकिन महत्त्वपूर्ण अंतर है। यह अंतर ही तय करता है कि हम किसी को हंसा रहे हैं या किसी के आत्मसम्मान को चोट पहुंचा रहे हैं। मजाक जीवन का एक सुगंधित फूल है, जो वातावरण में मुस्कान और अपनापन फैलाता है। यह हमारी थकान मिटाता है, रिश्तों में मिठास घोलता है और कठिन परिस्थितियों को हल्का कर देता है। जब हम मित्रों के बीच हंसी-मजाक करते हैं, तो यह हमारे सामाजिक जुड़ाव की निशानी होती है। मगर जब यही मजाक किसी की कमजोरी, रूप, स्थिति या असहायता पर आधारित होता है, तो वह मजाक नहीं, अपमान बन जाता है।

किसी का मजाक उड़ाना उसके जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा होता है। हम भले ही दो पल के लिए हंस लें, पर उस व्यक्ति के मन में जो वेदना पैदा होती है, वह लंबे समय तक रहती है। एक तीखी बात, एक कटाक्ष, या एक उपहास किसी के आत्मविश्वास को तोड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम यह समझें कि हंसी तब तक सुंदर है, जब तक वह किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाए।

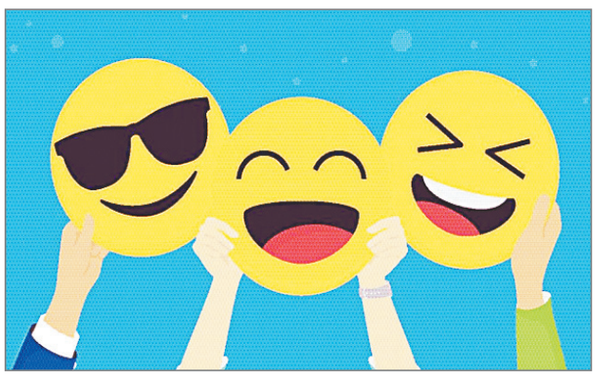

आज के तेज रफ्तार जीवन में संवेदनशीलता धीरे-धीरे कम होती जा रही है। सोशल मीडिया के दौर में 'मीम' बनाना और 'ट्रोल' करना आम हो चुका है। किसी की गलती, बोलने का ढंग या पहनावे को लेकर लोगों का मजाक उड़ाना जैसे रोजमर्रा की बात बन गई है। मगर क्या हम सोचते हैं कि यह हंसी किसी के दिल पर कितना भारी पड़ती होगी? जो लोग मजाक उड़ाते हैं, वे अक्सर यह भूल जाते हैं कि उनके शब्द किसी के आत्मसम्मान को कितनी गहराई तक चोट पहुंचा सकते हैं। किसी के शरीर को लेकर टिप्पणी करना, किसी के सामाजिक स्तर पर कटाक्ष करना या किसी की असफलता पर हंसना- ये सभी मानसिक हिंसा के रूप हैं। समाज तब तक स्वस्थ नहीं हो सकता, जब तक उसमें सहानुभूति और आदर का भाव जीवित न रहे।

जीवन का सबसे बड़ा सत्य है- जैसा कर्म, वैसा फल। जो व्यक्ति दूसरों के लिए अपमान और दुख का कारण बनता है, उसके जीवन में भी वही लौटकर आता है। यह प्रकृति का नियम है। जैसा बीज बोया जाएगा, वैसा ही फल मिलेगा। अगर हम दूसरों के हृदय को चोट पहुंचाते हैं, तो किसी न किसी रूप में वही पीड़ा एक दिन हमारे जीवन में भी दस्तक देती है। इसलिए समझदारी इसी में है कि हम अपने शब्दों और व्यवहार में मर्यादा बनाएं। हर व्यक्ति अपने संघर्ष से जूझ रहा है, हर मुस्कान के पीछे एक कहानी है। हो सकता है जिस व्यक्ति का हम मजाक उड़ा रहे हैं, वह भीतर से टूट चुका हो। ऐसे में हमारी हंसी उसके लिए तीर बन जाती है। दयालु होना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी ताकत है। जो व्यक्ति दूसरों के दर्द को महसूस कर सकता है, वही सच्चा इंसान है। जीवन में ऊंचाइयां पाने के साथ अगर हम विनम्रता और सहानुभूति खो देते हैं, तो सफलता का अर्थ ही अधूरा रह जाता है। कभी किसी असहाय व्यक्ति को देखकर उसकी हालत पर हंसने के बजाय अगर हम उसकी मदद करें तो वही मानवता की असली जीत है। किसी के मुस्कुराने का कारण बनना, किसी को आत्मविश्वास लौटाना- यही वह कर्म हैं जो हमें भीतर से समृद्ध करते हैं। हंसी और मजाक को नकारात्मक नहीं समझना चाहिए। यह जीवन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। बस इसमें मर्यादा और संवेदनशीलता बनाए रखने की जरूरत है। मजाक ऐसा हो, जो सबको जोड़े, न कि तोड़े।

अगर हम अपने मित्रों के साथ हंसी-मजाक कर रहे हैं, तो सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी को कमतर महसूस न हो। कभी-कभी जो व्यक्ति हंस रहा होता है, उसके दिल में गहरी चोट लगी होती है। वह हंसी केवल सामाजिक दबाव का परिणाम होती है। सच्चा मित्र वही है, जो हंसी में भी सम्मान बनाए रखे। किसी को दुखी करना आसान है, लेकिन किसी को खुश करना एक कला है। सकारात्मकता वही है, जो हमें भीतर से प्रकाशित करती है और दूसरों के जीवन में भी उजाला फैलाती है। जब हम दूसरों को प्रोत्साहित करते हैं, उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हैं, या कठिन समय में सहारा बनते हैं, तो हम अपने जीवन को भी ऊंचा उठाते हैं। हर दिन कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे हमारे कारण किसी के चेहरे पर सच्ची मुस्कान आए। यह मुस्कान ही हमारी आत्मा का दर्पण बनेगी। जो दूसरों को हंसी देता है, उसे सुकून मिलता है, पर जो दूसरों के दर्द पर हंसता है, उसे कभी चैन नहीं मिलता।

द रॉयल अटलांटिस

यहां गेस्ट्स को दिए जाते हैं सोने की कंघी-ब्रश

दुबई के पाम जुमेराह आइलैंड पर अटलांटिस द रॉयल नामक लग्जरी रिसॉर्ट बनाया गया है। इस रिसॉर्ट के नाम के साथ विश्व का मोस्ट अल्ट्रा लग्जरी एक्सपीरियंसल रिसॉर्ट का तमगा जुड़ा हुआ है। इस रिसॉर्ट की शुरुआत साल 2023 जनवरी में हुई थी। रिसॉर्ट को लग्जरी वेलनेस प्रोवाइड करने के मकसद से बनाया गया है।

लुई वितों, वेलेटिनो जैसे ब्रांड भी यहां

रिसॉर्ट 6 अलग-अलग टावरों से मिलकर बना है। प्रत्येक टावर कुछ मंजिलों के ब्लॉक जैसा नजर आता है। 43 मंजिला यह रिसॉर्ट करीब 178 मीटर ऊंचा है। इसमें 795 लग्जरी कमरे हैं। इसमें करीब 44 पेंट हाउस व सुइट्स बनाए गए हैं। इसके साथ ही 17 से ज्यादा रेस्तरां बनाए गए हैं। इस रिसॉर्ट में 90 स्विमिंग पूल भी है, जो रिसॉर्ट की भव्यता को दर्शाता है। रिसॉर्ट में लुई वितों, वेलेंटिनो और डोल्सी एंड गवाना जैसे मशहूर टेक्सटाइल ब्रांड भी नजर आते हैं। एंट्रेस प्वाइंट पर पानी पर केंद्रित कई इंस्टॉलेशन डिजाइन किए गए हैं।

100 साल पुराने ऑलिव पेड़ का उपयोग

इस रिसॉर्ट में 17 रेस्तरां है, जो इसे प्लेनेट का सबसे बड़ा सेलेब्रिटी रेस्तरां कलेक्शन बनाता है। इसके साथ ही यहां 18 वें व 19वें फ्लोर पर रॉयल मेंशन नामक प्रायवेट सुइट है। इस दो मंजिला लग्जरी सुइट में एक इनिफिनिटी पूल, पर्सनल थिएटर और लाइब्रेरी भी हैं। इसके प्रवेश द्वार को 100 साल पुराने ऑलिव पेड़ों से सजाया गया है। इस सुइट में 12-15 लोगों के रहने की व्यवस्था हो सकती है। यहां एक रात रुकने का किराया करीब 83 लाख रुपए है। यह दुनिया का सबसे महंगा लग्जरी सुइट बनाता है। यह सुइट करीब 11 हजार वर्गफीट में फैला हुआ है।

ज्वालामुखी के पत्थरों को सोने में डूबाकर देते हैं मसाज

यहां रॉयल कस्टमर्स के लिए हर्मीस द्वारा सोने के टूथब्रश, कंघी और रेजर बनाए गए हैं। रिसॉर्ट में 32 हजार वर्गफीट में वेलनेस एरिया है। यहां पर 24 कैरेट गोल्ड फेशियल और गोल्डन आवर मसाज आगंतुकों को दी जाती है। गोल्डन मसाज में ज्वालामुखी पत्थरों को सोने में डुबाया जाता है और सोने के अर्क वाले अरोमाथेरेपी ऑयल के साथ अरेबिक वेलनेस कल्चर के अनुसार शरीर पर मसाज की जाती है। यहां 3500 गैलन पानी से घिरी ग्लास लिफ्ट भी है और तीन मंजिला एक्वेरियम भी बनाया गया है, जिसमें 7200 समुद्री जीव है। एंट्रस पर 37 फीट ऊंची स्टेनलेस स्टील की प्रतिमा डॉप्लेट्स है, जो रेगिस्तान की धरती पर बारिश की पहली बूंद गिरने को दर्शाती है।

ओपनिंग के लिए पॉप स्टार बियांसे को बुलाया

दुबई तो वैसे भी अपनी लग्जरी लाइफ और अमीरी के लिए जाना जाता है. यहां बनी बुर्ज खलीफा इमारत दुनियाभर में फेमस है, लेकिन इस बार दुबई का नाम एक अल्ट्रा लग्जरी होटल-रिजॉर्ट को लेकर चर्चा में है. दुबई में खुला अटलांटिस रॉयल होटल में एक रात का जितना किराया लगता है, उतने में आप चमचमाती मर्सिडीज कार खरीद सकते हैं. इस अल्ट्रा लग्जरी रिजॉर्ट की ओपनिंग सेरिमनी के दौरान प्रस्तुति के लिए ग्रैमी अवार्ड विजेता अमेरिकी पॉप गायक बियांसे को बुलाया गया था.

सागरदा फैमेलिया:

141 साल से बन रहा स्पेन का ये चर्च, बनने के बाद होगा विश्व का सबसे ऊंचा चर्च

बार्सिलोना मेगा प्रोजेक्ट के तैयार होने में 2-4 साल का समय लगना तो आम बात है। लेकिन स्पेन के बार्सिलोना में एक ऐसी जगह है, जिस पर पिछले 141 सालों से काम चल रहा है। लेकिन अभी तक काम खत्म नहीं हुआ है। यह इमारत है सागरदा फैमिलिया नामक चर्च की। इस चर्च पर अभी भी काम चल रहा है। लेकिन फिर भी यह स्पेन के प्रमुख टूरिस्ट आकर्षणों में से एक है। साल 2026 तक इस चर्च का काम पूरा होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

सिविल वॉर और महामारी की वजह से प्रभावित हुआ काम

चर्च के बनने की शुरुआत 1882 में हुई थी। लेकिन कई कारणों से काम पूरा नहीं हो पाया। 1926 में एक चौथाई काम ही हुआ था कि काम पर पहला ब्रेक लग गया। क्योंकि इसके मुख्य आर्किटेक्ट एंटोनी गॉडी की मौत हो गई थी। साल 1939 में स्पेनिश सिविल वॉर की वजह से भी काम रुक गया। उस चर्च के मॉडल को नुकसान पहुंचाया था। चर्च के निर्माण कार्य से जुड़े 12 लोगों की जान भी गई थी। इसके बाद तानाशाह फ्रांसिस्को फ्रेंको के शासनकाल में भी इसके निर्माण की प्रगति प्रभावित हुई। साल 2007 में स्पेनिश सरकार ने इस चर्च के नीचे से हाईस्पीड रेल परियोजना लॉन्च की, जिससे इसके बनने पर प्रश्नचिन्ह खड़े हो गए। बाद में काम कोरोना महामारी आने तक चला।

एक बुकसेलर को आया था इसे बनाने का विचार

इस भव्य चर्च को बनाने का विचार बुकसेलर जोसेप मारिया बोकेबेला को आया था। वे पवित्र परिवार को समर्पित एक स्थल बनाना चाहते थे। इस विशाल चर्च में कुल 18 टावर बनने हैं। इनमें से 12 टावर जीसस क्राइस्ट के शिष्यों को समर्पित होंगे। वहीं चार टावर प्रचारकों, एक वर्जिन मैरी व मुख्य टावर ईसा मसीह को समर्पित होगा। चर्च के तीन अग्रभाग ईसा मसीह के जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म को प्रदर्शित करेंगे। इस चर्च के बनने के बाद यह दुनिया का सबसे ऊंचा चर्च बन जाएगा। टावर ऑफ जीसस क्राइस्ट की ऊंचाई 565 फीट होगी और बाकी टावर 442 फीट ऊंचे बनने हैं। चर्च की लंबाई 295 फीट और चौड़ाई 196 फीट है। यह चर्च यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों की सूची में भी शामिल है। क्रिसमस के दिनों में इस चर्च में खास सजावट की जाती है।

क्या आप जानते हैं कि ऊंचे बादल 5-14 किमी की ऊंचाई पर बनते हैं और इसमें सायरस जैसे बादल शामिल होते हैं। मध्य ऊंचाई के बादल 2-7 किमी की ऊंचाई पर बनते हैं। वहीं, कम ऊंचाई के बादल धरती की सतह से 2 किमी की ऊंचाई तक बनते हैं, जैसे स्ट्रेटस और क्यूम्यलस। ऊंचे बादलों में तापमान बहुत कम होता है क्योंकि ये बर्फ के क्रिस्टल्स से बने होते हैं। जैसे-जैसे ये बादल नीचे आते हैं, पानी की बूंदों में बदलते जाते हैं।

100 हाथियों के बराबर होता है बादलों का वजन

क्या कभी आपका भी मन हुआ है कि बादलों के संग उड़ते फिरें। या रूई से हल्के, मुलायम, सफेद बादलों पर चढ़कर कहीं सैर पर निकल जाएं। खासकर हवाई जहाज़ के सफ़र में जब प्लेन बादलों के बीच से गुज़रता है, उस समय तो जानें कितने खयाल आते हैं। काश..खिड़की खोलकर इन बादलों पर कूद जाएं। या इन्हें एक बार छूकर ही देख लें। लेकिन अगर कोई बताएं कि इन सपनीले बादलों का वजन सौ हाथियों के बराबर होता है..तो क्या आप विश्वास करेंगे। बादल पानी की छोटी बूंदों या बर्फ़ के छोटे क्रिस्टल से बने होते हैं। इनमें मौजूद पानी की बूंदें और बर्फ़ के क्रिस्टल इतने छोटे होते हैं कि ज़मीन से सफ़ेद फुले हुए दिखाई देते हैं।बादल बनने की प्रक्रिया के बारे में तो ज़्यादातर लोगों ने पढ़ा ही है। धरती के पानी के भाप बनकर ऊपर उठने, ठंडी हवा में बदलने और छोटे-छोटे पानी के कणों में इकट्ठा होने का परिणाम हैं ये बादल। यह प्रक्रिया धरती के जल चक्र का हिस्सा है।

कितना होता है बादलों का वजन

बादलों का वजन बेहद दिलचस्प विषय है। आमतौर पर उनकी हल्की फूली आकृति हमें ये मानने पर मजबूर कर देती है कि बादल एकदम हल्के फुल्के होते होंगे। लेकिन वास्तविकता इससे बहुत अलग है। असल में बादलों का वजन बहुत अधिक होता है। औसतन, एक क्यूम्यलस प्रकार का बादल लगभग 1.1 मिलियन पाउंड (लगभग 450,000 किलोग्राम या 450 टन) वजन का होता है। इसे सरल शब्दों में समझें तो यह पृथ्वी पर लगभग 100 हाथियों या तीन विशालकाय ब्लू व्हेल के वजन के बराबर होता है। दिखने में हल्के लगने वाले इन बादलों का भारीपन उनकी अदृश्य भौतिक संरचना का प्रमाण है। वैज्ञानिक बादल के वजन का अनुमान लगाने के लिए उसके घनत्व और आकार का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए, एक साधारण क्यूम्यलस बादल में पानी की मात्रा लगभग 0.5 ग्राम प्रति घन मीटर होती है। यदि बादल 1 किलोमीटर लंबे, चौड़े, और ऊंचाई में हो, तो इसका कुल वजन 1.1 मिलियन पाउंड तक पहुंच सकता है। अब सवाल ये है कि बादलों के भारी होने के बावजूद वे आसमान में तैरते कैसे हैं। ये इसलिए संभव होता है क्योंकि गर्म हवा का प्रवाह और वायुमंडलीय दबाव बादलों को गिरने से रोकते हैं। इसके अलावा, जब बादलों में पानी की बूंदें आपस में मिलकर बड़ी हो जाती हैं तो वे आखिरकार बारिश या बर्फ के रूप में गिर जाती हैं।

क्यों हल्के नज़र आते हैं बादल

लौटते हैं बादलों के वजन पर। अगर बादल इतने भारी होते हैं तो हमें उनके हल्के होने का आभास क्यों होता है। ऐसा इसलिए है कि वो हमें आसमान में उड़ते नजर आते हैं। बादलों का घनत्व आसपास की हवा से कम होता है और वायुमंडलीय दबाव उन्हें सहारा देता है। बादलों का घनत्व हवा की तुलना में कम होने के कारण वे हवा से अधिक उत्प्लावन बल का अनुभव करते हैं। इसी कारण बादल अपने वज़न को संतुलित कर पाते हैं और आस-पास की हवा से दूर तक उड़ते रहते हैं। तो अगली बार जब भी आप आसमान की तरफ देखें और आपको बादल नज़र आएं तो याद करिएगा कि ये नर्म, मुलायम, सुंदर बादल असल में कितने भारी भरकम हैं।

क्या हैं क्यूम्यलस बादल

अब आपको क्यूम्यलस के बारे में बता दें। ये शब्द लैटिन भाषा से आया है, जिसका अर्थ है ढेर या संचित। बादल आमतौर पर सफेद, फूले हुए और किसी ढेर की तरह दिखते हैं। इनकी आकृति साफ-सुथरी और गोल, एक साथ ढेरी सारी होती है इसीलिए इनकी बनावट और संरचना के कारण इन्हें यह नाम दिया गया है। क्यूम्यलस बादल का आयतन करीब एक अरब घन मीटर होता है। अगर बादल के आयतन को पानी के घनत्व से गुणा किया जाए तो बादल का वज़न मिलता है। क्यूम्यलस बादलों के कई प्रकार होते हैं जैसे कि क्यूम्यलस ह्यूमिलिस, क्यूम्यलस मेडिओक्रिस, क्यूम्यलस कॉन्जेस्टस, क्यूम्यलस रेडिएटस, क्यूम्यलस विरगा, क्यूम्यलस पैनस, क्यूम्यलस आर्कस, क्यूम्यलस टुबा, क्यूम्यलस पाइलस और क्यूम्यलस वेलम। इन बादलों का वर्गीकरण उनकी ऊंचाई, घनत्व, बनावट और वातावरण में उनकी संरचना के आधार पर किया जाता है। हालांकि सारे बादलों को क्यूम्यलस नहीं कहा जाता है। इनके अलावा, बादल कई अन्य प्रकार के भी होते हैं जैसे कि स्ट्रेटोक्यूम्यलस, स्ट्रेटस, और क्यूम्यलोनिम्बस आदि।

यहां मौजूद है दुनिया की सबसे छोटी गली, गिनीज रिकॉर्ड में भी है शामिल

जब कभी भी हम गलियों का जिक्र करते हैं तो हमारे जहन में लंबी और घुमावदार सड़कों की तस्वीर सामने आती है जो हमारे गांवों और शहरों का एक अहम हिस्सा होती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में एक ऐसी भी गली हो सकती है जो इतनी छोटी हो कि उसमें से गुजरना मानो एक झटके में हो जाए। जी हां, आज हम आपको एक ऐसे ही गली के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है और जो दुनिया की सबसे छोटी गली मानी जाती है।

लंबाई मात्र 2.06 मीटर

दुनिया की सबसे छोटी गली ब्रिटेन में है। एबेनेजर प्लेस नाम की यह गली स्कॉटलैंड के कैथनेस के वीक में स्थित है। यह गली अपनी अनोखी लंबाई के कारण गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है, इसकी कुल लंबाई केवल 2.06 मीटर है। एबेनेजर प्लेस का केवल एक ही पता है, जो मैकेज होटल के हिस्से के रूप में नंबर वन बिस्ट्रो है।

दुनिया की सबसे छोटी गली का इतिहास

इस गली का निर्माण 1883 में हुआ था और इसे आधिकारिक तौर पर 1887 में गली का दर्जा दिया गया। स्थानीय परिषद ने होटल के छोटे किनारे को एक नई गली के रूप में मान्यता दी और श्री सिंकलेयर को इसका नाम रखने का निर्देश दिया। आपको बता दें, यह गली न केवल अपनी छोटी लंबाई के लिए जानी जाती है, बल्कि अपने ऐतिहासिक महत्व की कारण भी आकर्षण का केंद्र है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया के अनगिनत अद्भुत और अनोखे रिकॉर्ड दर्ज किए जाते हैं जिसमें सबसे छोटी गली से लेकर सबसे बड़ी बिल्डिंग तक शामिल है। यह एक प्रतिष्ठित मंच है, जहां लोग अपने असाधारण कौशल उपलब्धियां या अनोखे कारनामों को दर्ज करवाने की कोशिश करते हैं। कई लोग इन रिकॉर्ड्स को तोड़ने और अपने नाम को अमर करने का प्रयास करते हैं, जिसमें कुछ सफल हो जाते हैं जबकि कई को असफलता का सामना भी करना पड़ता है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड आज भी लोगों के बीच एक बड़ा आकर्षण बना हुआ है।

2025 में तीसरी बार डिविडेंड देने जा रही धाकड़ डिफेंस कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। चर्चित डिफेंस कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी इस साल तीसरी बार डिविडेंड दे रही है। वहीं, चालू वित्त वर्ष का यह पहला अंतरिम डिविडेंड होगा। डिफेंस कंपनी ने सोमवार को तिमाही नतीजों का ऐलान किया था। मझगांव डॉक का रेवन्यू 6.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2929.24 करोड़ रुपये सितंबर तिमाही में रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2756.83 करोड़ रुपये रहा था। जुलाई से सितंबर के दौरान मझगांव डॉक का नेट प्रॉफिट 749.48 करोड़ रुपये रहा था। जोकि सालाना आधार पर 28 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष कंपनी को इसी तिमाही में 585.08 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने एक शेयर पर 6 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। यह वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पहला अंतरिम डिविडेंड है। कंपनी ने डिविडेंड के लिए 4 नवंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। वहीं, योग्य निवेशकों को 26 नवंबर से पहले डिविडेंड का भुगतान कर दिया जाएगा। इस साल कंपनी इससे पहले अप्रैल और सितंबर के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर क्रमश: 3 रुपये और 2.71 रुपये का डिविडेंड दिया था। सोमवार को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के शेयर 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 2810.15 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक साल में मझगांव डॉक के शेयरों की कीमतों में 38 प्रतिशत से अधिक की उछाल दर्ज की गई है। 5 साल में इस डिफेंस कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 3229 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

100 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। डेयरी प्रॉडक्ट्स इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट के शेयर सोमवार को क्रस्श्व में 20 पर्सेंट उछलकर 1081.35 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल सितंबर 2025 तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया है। कंसॉलिडेटेड बेसिस पर चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में हैटसन एग्रो को 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा हुआ है। हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1200 रुपये है। 73 प्रतिशत बढ़ा है कंपनी का मुनाफा हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंसॉलिडेटेड बेसिस पर 109.78 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर कंपनी का मुनाफा 73.13 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि के दौरान कंपनी को 63.41 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी का मुनाफा 18.89 पर्सेंट घटा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी को 135.34 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। 2400 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा कंपनी का रेवेन्यू हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट का रेवेन्यू चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 17.1 पर्सेंट बढ़कर 2427.59 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 2072.10 करोड़ रुपये था। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी का रेवेन्यू 6.3 पर्सेंट घटा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 2590.28 करोड़ रुपये था। सितंबर 2025 तिमाही में टैक्स भुगतान से पहले कंपनी का मुनाफा 147.53 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले टैक्स भुगतान से पहले कंपनी का प्रॉफिट 68.6 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का टैक्स भुगतान से पहले प्रॉफिट 87.50 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंपनी के टोटल एक्सपेंसेज सालाना आधार पर 14.7 पर्सेंट बढ़कर 2284.32 करोड़ रुपये रहे हैं। तिमाही आधार पर कंपनी के एक्सपेंसेज 5.2 पर्सेंट घटे हैं।

मक्का को पक्का कर दबाव बनाने की सोच रहे ट्रंप

भारत के इथेनॉल मार्केट पर अमेरिका की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिका ने रूस की तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनसे भारत अब रूसी कच्चा तेल खरीदना कम कर सकता है। अमेरिका का कहना है कि इस तेल से मिले पैसे से रूस, यूक्रेन में युद्ध लड़ रहा है। लेकिन अमेरिका अभी भारत पर और भी दबाव बनाने की सोच रहा है। ब्लूमबर्ग के अनुसार चीन के साथ व्यापारिक मसलों को सुलझाने के बाद अमेरिका अब भारत के ऊर्जा बाजार में भी अपनी पैठ बनाना चाहता है।

भारत अमेरिका से चाहता है कि वह अपने यहां आयात होने वाले सामानों पर लगने वाले 50 प्रतिशत टैक्स को कम कर दे। इसके बदले में अमेरिका भारत के ऊर्जा बाजार में अपनी जगह बनाना चाहता है। कुछ मांगें ऐसी हैं जिन्हें भारत आसानी से मान सकता है। जैसे भारत की सरकारी तेल कंपनियां अब मिडिल ईस्ट के देशों से एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) खरीदने की बजाय अमेरिका से ज्यादा एलपीजी खरीदना चाहती हैं। भारत इस व्यापारिक समझौते को पक्का करने के लिए अमेरिका से एलपीजी पर लगने वाले टैक्स को पूरी तरह खत्म करने को भी तैयार है।

लेकिन मामला यहां हो जाएगा मुश्किल

लेकिन जब अमेरिकी बातचीत करने वाले भारत के बायोएनर्जी बाजार को खोलने की

कोशिश करेंगे, तो मामला थोड़ा मुश्किल हो जाएगा। भारत हर साल पेट्रोल में 10 अरब लीटर इथेनॉल मिलाता है। यह इथेनॉल अमेरिका के मिडवेस्ट में उगाई जाने वाली मक्के की फसल का एक बड़ा हिस्सा इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका में ज्यादातर बायोइथेनॉल मक्के से ही बनता है।

जैसे-जैसे भारत में गाड़ियों की संख्या बढ़ेगी साल 2050 तक इथेनॉल की यह मांग दोगुनी होने की उम्मीद है। ऐसे में अमेरिका यह नहीं चाहता कि इतने बड़े बाजार में उसकी पहुंच न हो। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि ने अपनी साल 2025 की रिपोर्ट में कहा है कि इथेनॉल को पेट्रोल में मिलाने के बड़े लक्ष्यों के बावजूद भारत ईंधन के तौर पर इथेनॉल के आयात पर रोक लगाता है।

मजबूत स्थिति में पहुंचा अमेरिका: ट्रंप के ट्रेड वॉर ने अमेरिका को बातचीत में एक मजबूत स्थिति में ला दिया है। अब जब चीन और अमेरिका दुर्लभ खनिजों के निर्यात और बंदरगाह शुल्क जैसे मसलों पर अपने मतभेद सुलझाते दिख रहे हैं, तो भारत और ब्राजील ही दो बड़े उभरते हुए देश हैं जिन पर सबसे ज्यादा टैरिफ का बोझ है। भारत से कपड़े, घर की सजावट का सामान, झींगा, र प्रतिशत और गहने जैसे श्रम-आधारित निर्यात अमेरिका जैसे अपने सबसे बड़े बाजार में लगभग बंद हो गए हैं।

क्या चाहता है भारत: भारत की इच्छा है कि अमेरिका भी जवाबी तौर पर 20 प्रतिशत या उससे कम का टैरिफ लगाए और यह समझौता जल्द से जल्द हो जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो भारतीय निर्यातक दक्षिण पूर्व एशिया के अपने प्रतिद्वंद्वियों से और पिछड़ जाएंगे।

मोदी के सामने कई चुनौतियां: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बायोफ्यूल (जैविक ईंधन) के मामले में कोई भी रियायत देने से हिचकिचाएंगे। क्योंकि उन्हें इस मामले में दो तरह से विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

1. गाड़ी मालिकों का विरोध: एक तो गाड़ी चलाने वाले लोग सरकार के इथेनॉल मिलाने के सख्त नियमों से खुश नहीं हैं। पुरानी गाड़ियों के मालिक, जिन्हें 80-20 (80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत इथेनॉल) के मिश्रण के लिए डिजाइन नहीं किया गया था, वे इंजन की कम क्षमता और बढ़ते रखरखाव के खर्चों की शिकायत कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने जनता को आश्वासन दिया है कि प्रदर्शन पर इसका असर बहुत कम और ठीक करने लायक है।

2. किसानों का विरोध: असली विरोध ग्रामीण इलाकों से आएगा। भारत के बायोफ्यूल कार्यक्रम का एक मकसद किसानों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत पैदा करना भी है। अनुमानों के मुताबिक गन्ने के रस, शीरे, मक्का, धान की पराली, कपास के डंठल और बांस जैसी चीज़ों को इथेनॉल बनाने वालों को बेचकर किसानों को करीब 1.18 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। ऊर्जा उत्पादक के तौर पर थोड़ी सफलता का स्वाद चखा है, तो वे विदेशी प्रतिस्पर्धा के आगे अपनी कमाई नहीं छोड़ना चाहेंगे। वे ऐसे किसी भी व्यापार समझौते का विरोध कर सकते हैं।

क्या मोदी उठाएंगे जोखिम

11 साल से ज्यादा समय से मोदी भारत की राजनीति पर हावी रहे हैं। उनकी आर्थिक नीतियों और कार्यक्रमों का ज्यादा विरोध नहीं हुआ है- सिवाय किसानों के। किसानों ने ही उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बार कानून वापस लेने पर मजबूर किया है। साल 2027 तक उत्तर भारत के प्रमुख अनाज उगाने वाले राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में वे ट्रंप के साथ ऐसा व्यापार समझौता करके किसानों को नाराज करने का जोखिम नहीं उठाएंगे।

टाटा से निकल गया कांटा! रतन टाटा के करीबी मेहली मिस्त्री की विदाई तय

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के सबसे औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में मैज्योरिटी हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स में बड़ा उलटफेर हुआ है। दिवंगत रतन टाटा के करीबी माने जाने वाले मेहली मिस्त्री को ट्रस्ट से हटाया जा सकता है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा, वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और ट्रस्टी विजय सिंह ने मेहली मिस्त्री के कार्यकाल को आगे बढ़ाने की मंजूरी नहीं दी है। सूत्रों के मुताबिक इससे टाटा के इन बड़े चैरिटेबल संस्थानों में उनका सफर खत्म हो जाएगा।

मिस्त्री के कार्यकाल को बढ़ाने के खिलाफ तीन ट्रस्टियों ने वोट दिया है। यह फैसला दोनों अहम ट्रस्टों में बहुमत से लिया गया है। सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट मिलकर टाटा संस में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। वहीं टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों में नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, मेहली मिस्त्री, प्रमित झावेरी और डेरियस खंबाटा शामिल हैं। सर रतन टाटा ट्रस्ट में नोएल

टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, जिमी टाटा, जहांगीर एचसी जहांगीर, मेहली मिस्त्री और डेरियस खंबाटा ट्रस्टी हैं।

चूंकि मेहली मिस्त्री अपने कार्यकाल को बढ़ाने के फैसले पर वोट नहीं कर सकते, इसलिए एसडीटीटी में उनके खिलाफ बहुमत है। एसडीटीटी में भी जिमी टाटा आमतौर पर ट्रस्ट की बैठकों में हिस्सा नहीं लेते हैं, इसलिए वहां भी उनके खिलाफ बहुमत है। यह एक अजीब संयोग है कि मेहली मिस्त्री को उसी अक्टूबर महीने में हटाया जा रहा है, जिस महीने 2016 में उनके चचेरे भाई साइरस मिस्त्री को टाटा संस के चेयरमैन पद से हटाया गया था।

सूत्रों ने बताया कि तीन ट्रस्टियों ने गुरुवार देर रात और शुक्रवार सुबह अपना फैसला बताया। मिस्त्री के तीन साल के कार्यकाल को बढ़ाने का प्रस्ताव टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा ने पिछले शुक्रवार को रखा था। ट्रस्टी डेरियस खंबाटा, प्रमित झावेरी और जहांगीर जहांगीर ने पहले ही अपनी सहमति दे दी थी। लेकिन बाकी लोगों की सहमति न मिलने के कारण मिस्त्री का पत्ता कट गया। यह टाटा समूह के लिए एक और अक्टूबर का उथल-पुथल भरा महीना साबित हुआ है।

टाटा ट्रस्ट्स में, ट्रस्टियों की नियुक्ति और अन्य फैसले परंपरा के अनुसार सर्वसम्मति से होते आए हैं। लेकिन 11 सितंबर को इस परंपरा को तोड़ा गया। यह तब हुआ जब लंबे समय से ट्रस्टी रहे रतन टाटा के निधन के करीब एक साल बाद ट्रस्टियों ने बहुमत से पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह को टाटा संस के बोर्ड में एक नॉमिनी डायरेक्टर के पद से हटाने का फैसला किया। इस घटना ने देश भर का ध्यान भारत के सबसे प्रतिष्ठित सार्वजनिक ट्रस्टों के अंदरूनी झगड़ों की ओर खींचा।

सोना सस्ता, करीब 10,000 टूटा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्ड की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। आज 28 अक्टूबर को इंटरनेशनल मार्केट में सोने का भाव 4000 डॉलर प्रति आउंस के नीचे आ गया है। वहीं, घरेलू बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है। शादियों के सीजन शुरू होने से पहले सोने और चांदी का भाव कम होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। 27 अक्टूबर की शाम को 24 कैरेट गोल्ड का रेट लुढ़ककर 121077 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया था। इससे पहले कल 12 बजे यह 122402 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। यानी महज कुछ ही घंटों में सोने का भाव 1325 रुपये तक सस्ता हो गया। चांदी की बात करें तो यह सोमवार को 2999 रुपये और सस्ती हो गई। एक किलोग्राम चांदी का रेट कल सोमवार की शाम को 1,45,031 रुपये था। इससे पहले सोमवार की सुबह चांदी 1,48030 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रही थी। 17 अक्टूबर को 24 कैरेट गोल्ड का भाव 130874 रुपये था। तब से सोमवार की शाम तक गोल्ड की कीमतों में 9797 रुपये की गिरावट आ चुकी है। चांदी तो 33000 रुपये से अधिक की सस्ती हो चुकी है। 14 अक्टूबर को चांदी का भाव 178100 रुपये प्रति किलो था। जोकि सोमवार को घटकर 145031 रुपये पर आ गया। यानी तब से अबतक चांदी की कीमतों में 33069 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में आई गिरावट के पीछे त्योहारों के सीजन को खत्म होने को माना जा रहा है। जिसकी वजह से ज्वेलरी आदि की डिमांड में कमी आई है। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट में गिरावट के पीछे की वजह बदलते वैश्विक हालात हैं।

सरकारी बैंकों में 49 प्रतिशत विदेशी निवेश की मंजूरी दे सकती है सरकार

● आरबीआई से चर्चा कर रहा वित्त मंत्रालय ● 12 सरकारी बैंक, 1.71 लाख करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी।
सरकारी बैंकों में 49 फीसदी तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मंजूरी मिल सकती है। यह वर्तमान सीमा 20 फीसदी के दोगुना से भी ज्यादा है। यह कदम सरकारी और निजी बैंकों के लिए नियमों के बीच के अंतर को कम करने के प्रयास का हिस्सा है। निजी बैंकों में एफडीआई की वर्तमान सीमा 74 फीसदी तक है। वित्त मंत्रालय कुछ महीनों से भारतीय रिजर्व बैंक के साथ इस मामले पर चर्चा कर रहा है। प्रस्ताव को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। भारत के बैंकिंग उद्योग में विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ रही है। दुबई के एमिरेट्स एनबीडी ने हाल में करीब 27,000 करोड़ रुपये (3 अरब डॉलर) में आरबीएल बैंक में 60 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की इच्छा जताई है। जापान के सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्प ने करीब

17,000 करोड़ रुपये में यस बैंक में 25 फीसदी हिस्सा खरीदा है।

सरकारी बैंकों में विदेशी स्वामित्व की सीमा बढ़ाने से उन्हें आने वाले वर्षों में और अधिक पूंजी हासिल करने में मदद मिलेगी। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि दर पिछले तीन वित्त वर्षों में औसतन 8 फीसदी की रही है। ऋण की मांग में भी तेजी आई है। इससे देश के ऋणदाताओं का आकर्षण बढ़ा है। जनवरी से सितंबर के बीच भारत के वित्तीय क्षेत्र में सौदे 127 फीसदी बढ़कर 8 अरब डॉलर हो गए।

भारत में 12 सरकारी बैंक हैं। इनकी संयुक्त संपत्ति मार्च तक 1.71 लाख करोड़ रुपये थी। यह पूरे बैंकिंग क्षेत्र का 55 फीसदी हिस्सा है। सरकार सरकारी बैंकों में न्यूनतम 51 फीसदी हिस्सेदारी बनाए रखने की योजना बना रही है। वर्तमान में सभी 12 बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी इससे बहुत अधिक है। कुछ में तो 90 फीसदी तक है। बैंकों के बोर्ड में विदेशी कंपनियों के भी अधिकारी होंगे। निवेश आने से बैकों को विस्तार करने में मदद मिलेगी। वैश्विक स्तर पर उनकी पहुंच आसान होगा। इस खबर के बाद सोमवार के कारोबारी सत्र में निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 3.02 फीसदी बढ़कर 8053 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अंत में 2.22 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

हिस्सेदारी 12 फीसदी तक

स्टॉक एक्सचेंजों के आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर तक सरकारी बैंकों में विदेशी हिस्सेदारी केनरा बैंक में लगभग 12 प्रतिशत से लेकर यूको बैंक में लगभग शून्य के स्तर तक है। सामान्य तौर पर सरकारी बैंकों को उनके निजी समकक्षों की तुलना में कमजोर माना जाता है। आरबीआई ने पिछले कुछ महीनों में बैंकिंग क्षेत्र में नियमों को कम करने और आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। साथ ही विदेशी बैंकों को भारतीय निजी ऋणदाताओं में बड़ी हिस्सेदारी रखने की अनुमति देने के लिए और अधिक खुला रुख अपनाया है। 49 फीसदी सीमा के बाद 51 फीसदी हिस्सा सरकारी बैंकों के पास रहेगा। ऐसे में बैंक पर नियंत्रण घरेलू निवेशकों का ही रहेगा। यह हिस्सेदारी छोटे और बड़े निवेशकों सहित सरकार की भी होगी।

अनिल अंबानी की रिलायंस और यस बैंक ने कैसे की हेराफेरी सीबीआई जांच में हुआ खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिग्गज उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सीबीआई की जांच में यस बैंक और अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप की कंपनियों के बीच हुए लेन-देन में पैसों की हेराफेरी और शेल कंपनियों के जरिए कमर्शियल पेपर्स के दुरुपयोग का एक जटिल जाल सामने आया है। यह जानकारी ईटी को मिले दस्तावेजों से पता चली है। सीबीआई ने पिछले महीने एक विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट के मुताबिक, ये लेन-देन पूर्व यस बैंक सीईओ राणा कपूर और उद्योगपति अनिल अंबानी के बीच एक आपराधिक साजिश का हिस्सा थे।

इस साजिश की वजह से यस बैंक को भारी नुकसान हुआ। प्रवर्तन निदेशालय भी इन गड़बड़ियों की अलग से जांच कर रहा है। ये सब तब हुआ जब राणा कपूर यस बैंक के प्रमुख थे। अब यस बैंक का मैनेजमेंट बदल चुका है क्योंकि आरबीआई ने बैंक को बचाने के लिए एक योजना बनाई थी। राणा कपूर पर मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य आरोप हैं। वह फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप को टिप्पणी के लिए ईमेल भेजा गया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। पहले भी, इस ग्रुप ने किसी भी गलत काम के आरोपों से इनकार किया है।

कैसे किया हेरफेर सीबीआई की जांच के अनुसार

जून 2018 से फरवरी 2019 के बीच यस बैंक ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड द्वारा जारी किए गए 1,965 करोड़ के कमर्शियल पेपर खरीदे। इनमें से ज्यादातर रकम वापस मिल गई, लेकिन सितंबर 2018 में निवेश किए गए 360 करोड़ का एक हिस्सा विवादों में घिर गया। इसी दौरान रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड ने भी कमर्शियल पेपर्स के जरिए यस बैंक से 640 करोड़ जुटाए। अदालती दस्तावेजों में कहा गया है कि इस शेल कंपनी को बनाने का मकसदआरएचएफएल और आरसीएफएल से पैसा लेना और फिर उसे रिलायंस ग्रुप की अन्य कंपनियों को उनकी देनदारियां चुकाने के लिए ट्रांसफर करना था। उदाहरण के लिए 17 सितंबर 2018 को ऋास्रु को 327 करोड़ का सीपी निवेश मिला। इसमें से 150 करोड़ लिक्विड फंड को चकाने के लिए इस्तेमाल किए गए।

अदाणी समूह दिघी पोर्ट में 42500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगा, एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी।
अदाणी समूह ने महाराष्ट्र के तटीय कोंकण क्षेत्र में दिघी बंदरगाह परियोजना में 42,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने पर हामी भरी है। सरकारी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि समूह की प्रमुख इकाई अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) की ओर से संचालित दिघी पोर्ट्स ने बंदरगाह के विस्तार और संबंधित गतिविधियों के लिए 42,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बारे में कहा कि यह निवेश भारत समुद्री सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर सरकार की ओर से हस्ताक्षरित 56,000 करोड़ रुपये से अधिक के 15 समझौतों का

हिस्सा है। अदाणी समूह की नई प्रतिबद्धता का पूरा विवरण पूरा जारी नहीं किया गया है। दूसरे सबसे अमीर भारतीय गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह ने 2021 में 705 करोड़ रुपये की विजयी बोली लगाकर दिवालिया घोषित हो चुकी दिघी पोर्ट परियोजना का अधिग्रहण किया था। समूह ने इसके विस्तार के लिए 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

इससे पहले भारत समुद्री सप्ताह के दौरान महाराष्ट्र में बंदरगाहों के विकास से संबंधित तीन सत्र आयोजित किए गए। इन तीन सत्रों में से एक सत्र महाराष्ट्र सरकार और विभिन्न कंपनियों के बीच 15 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर का था।

ये समझौता हुआ

ये समझौता ज्ञापन जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत, बंदरगाह अवसंरचना और जल परिवहन के विकास से संबंधित थे। सबसे बड़ा समझौता ज्ञापन अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एसईजेड) के साथ हस्ताक्षरित किया गया, जिसका मूल्य 42,500 करोड़ रुपये है, जो जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत में भागीदारी करेगा। दूसरा समझौता ज्ञापन जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ बंदरगाह अवसंरचना में सुधार और वैश्विक मानकों के अनुरूप सुधार के लिए हस्ताक्षरित किया गया। आईआईटी बॉम्बे के साथ तीन प्रमुख समझौता ज्ञापनों पर अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना के निर्माण, समुद्री क्षेत्र में कौशल विकास और जहाज निर्माण के लिए एक मंच तैयार करने हेतु हस्ताक्षर किए गए। अन्य दो समझौता ज्ञापन श्रमिक वर्ग के क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन के लिए क्लस्टर-आधारित उत्कृष्टता केंद्र बनाने पर केंद्रित थे।

फुटबॉल

नेपाल ने भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को 2-1 से हराया, सबित्रा भंडारी ने दागे दो गोल

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया। भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को सोमवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तीन देशों के अंतरराष्ट्रीय मैत्री टूर्नामेंट के

अपने दूसरे मैच में नेपाल के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया। करिश्मा का सीनियर राष्ट्रीय टीम की ओर से यह पहला गोल है। सबित्रा ने दूसरे ही मिनट में नेपाल को बढ़त दिला दी जब उन्होंने भारतीय गोलकीपर इलांगबाम पेनथोई चानू को छकाकर गोल किया। नेपाल ने पहले हाफ में इस बढ़त को बरकरार रखा और मध्यांतर तक टीम 1-0 से आगे थी। सबित्रा ने 61वें मिनट में एक और गोल दागकर नेपाल की बढ़त 2-0 की। करिश्मा ने फेनजोबाम निर्मला देवी की फ्री किक पर गोल दागकर भारत को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन यह नाकाफी साबित हुआ।

भारत से फिर जुड़ेंगे दिग्गज मुक्केबाजी कोच सैंटियागो

- भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने साई को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएफआई ने सैंटियागो के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को प्रस्ताव भेजा है। अनुबंध सिरे चढ़ा तो वह अब तक के सबसे महंगे विदेशी मुक्केबाजी कोच होंगे। उन्हें 12 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग साढ़े 10 लाख रुपये) प्रति माह के वेतन पर लाया जा रहा है। सैंटियागो टोक्यो ओलंपिक के बाद तक भारतीय मुक्केबाजी टीम के हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर थे। भारतीय मुक्केबाजी टीम के पूर्व विदेशी प्रशिक्षक और हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर अर्जेंटीनी मूल के दिग्गज स्वीडिश कोच सैंटियागो निएवा एक बार फिर भारतीय मुक्केबाजों से जुड़ने जा रहे हैं। सैंटियागो इस वक्त ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाजी टीम के मुख्य प्रशिक्षक हैं।

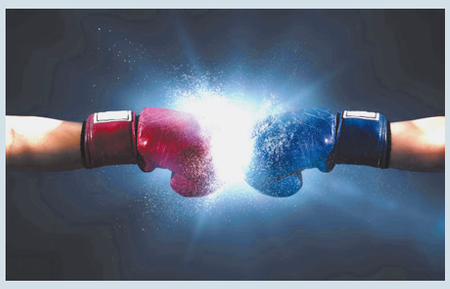

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) उन्हें पुरुष टीम के मुख्य प्रशिक्षक के तौर पर जोड़ रहा है। बीएफआई ने सैंटियागो के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को प्रस्ताव भेजा है। अनुबंध सिरे चढ़ा तो वह अब तक के सबसे महंगे विदेशी मुक्केबाजी कोच होंगे। उन्हें 12 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग साढ़े 10 लाख रुपये) प्रति माह के वेतन पर लाया जा रहा है। सैंटियागो टोक्यो ओलंपिक के बाद तक भारतीय मुक्केबाजी टीम के हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर थे।

पांच वर्ष तक भारत से जुड़े रह चुके हैं

सैंटियागो 2017 में भारतीय मुक्केबाजी टीम के साथ जुड़े थे और 2022 तक उन्होंने भारतीय मुक्केबाजों को तराशा। उनकी कोचिंग में भारत के सर्वाधिक नौ मुक्केबाज टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किए थे, इनमें पांच पुरुष मुक्केबाज शामिल थे। हालांकि टोक्यो में देश के किसी भी मुक्केबाज का पदक नहीं जीतना उनके भारत छोड़ने का कारण बना। उनकी कोचिंग में भारत ने 2019 की विश्व चैंपियनशिप में दो पदक जीते और 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन किया।

विश्व चैंपियनशिप में दिया वापसी का प्रस्ताव

सूत्र बताते हैं कि हाल ही में हुई लिवरपूल विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दौरान ही बीएफआई ने सैंटियागो को वापस भारतीय टीम के साथ जुड़ने का प्रस्ताव दिया। उनके अनुबंध पर अभी साई और खेल मंत्रालय की अंतिम मुहर लगना बाकी है।

वरुण-रेड्डी OUT, कुलदीप-हर्षित IN

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया

पहले टी20 में ये हो सकती है भारत की प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का आगाज 29 अक्तूबर से होने जा रहा है. अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप की तैयारियों के लिहाज से ये सीरीज काफी अहम मानी जा रही है. पहला मुकाबला कैनबरा में खेला जाना है. इस मुकाबले में प्लेइंग इलेवन को लेकर काफी माथापच्ची देखने को मिल सकती है. भारत ने अपना पिछला टी20 मुकाबला एशिया कप 2025 फाइनल में खेला था. जहां भारत केवल एक मुख्य तेज गेंदबाज के साथ खेला था. लेकिन यह स्थिति मनुका ओवल (कैनबरा) में होने वाले पहले टी20 मैच में निश्चित रूप से बदलेगी. एक बदलाव तो तय है क्योंकि हार्दिक पंड्या चयन के लिए फिट नहीं हैं. उनका बैकअप नीतीश कुमार रेड्डी भी चोटिल हैं, इसलिए उनकी उपलब्धता पर भी संदेह है. कैनबरा के मनुका ओवल की पिच बल्लेबाज़ों के लिए अनुकूल मानी जाती है, जिसमें समान उछाल और गति होती है. इसलिए इस बार टीम को तेज़ गेंदबाज़ों पर अधिक भरोसा करना पड़ेगा. एशिया कप में भारत ने तीन स्पिनरों कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती के साथ खेला था.

कुलदीप या अक्षर किसे मिलेगा मौका- ग्राउंड की सीमाएं स्पिनरों के पक्ष में हैं, लेकिन सतह उनके अनुकूल नहीं होगी. यही वजह है कि अक्षर पटेल को कुलदीप और वरुण पर बढ़त मिलती है. अक्षर ऑलराउंडर हैं और मिडल ऑर्डर में रन बनाने की क्षमता रखते हैं. इस तरह दूसरे स्पिनर की जगह को लेकर असली टक्कर कुलदीप बनाम वरुण के बीच है. लेकिन इसमें हर्षित राणा का नाम भी जुड़ गया है. दरअसल, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह तो तय हैं. दोनों भारत के शीर्ष टी20 गेंदबाज़ हैं. अर्शदीप ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 2022 टी20 वर्ल्ड कप में सबसे अधिक विकेट लिए थे.

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया

5 बल्लेबाज, जिनके नाम टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें साल 2007 से 2024 के बीच अब तक 32 टी20 मैच खेल चुकी हैं। इस दौरान सिर्फ 3 ही बल्लेबाज 500 रन का आंकड़ा छू सके हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की इस लिस्ट में शीर्ष पर भले ही विराट कोहली मौजूद हैं, लेकिन टॉप-5 खिलाड़ियों की सूची में सिर्फ दो ही क्रिकेटर भारतीय हैं। आइए, इन सभी खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

- **विराट कोहली :** रन-मशीन कोहली ने साल 2012 से 2024 के बीच 23 टी20 मुकाबलों में 49.62 की औसत के साथ 794 रन बनाए हैं। इस दौरान कोहली के बल्ले से 8 अर्धशतक निकले।
- **ग्लेन मैक्सवेल :** साल 2012 से 2024 के बीच भारत के विरुद्ध 22 टी20 मैच खेले, जिसकी 21 पारियों में 31.88 की औसत के साथ 574 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले।
- **आरोन फिंच :** इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने साल 2012 से 2022 के बीच भारत के खिलाफ 18 टी20 मैच खेले, जिसमें 27.77 की औसत के साथ 500 रन जुटाए। इस दौरान उनके बल्ले से 11 छक्के और 62 चौके देखने को मिले।
- **मैथ्यू वेड :** ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने भारत के विरुद्ध कुल 17 टी20 मैच खेले, जिसमें 3 अर्धशतक के साथ 488 रन बनाए। टीम इंडिया के खिलाफ 43 चौके और 20 छक्के लगाने वाले वेड का औसत 54.22 रहा है।
- **रोहित शर्मा :** भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा ने साल 2007 से 2024 के बीच 28.47 की औसत के साथ 484 रन बनाए।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें 29 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी। दोनों देशों के बीच कैनबरा में सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिसके बाद मेलबर्न, होबार्ट, गोल्ड कोस्ट और ब्रिस्बेन में सीरीज के शेष मुकाबलों का आयोजन होगा।

वर्ल्ड चैम्पियनशिप

भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने जीता स्वर्ण पदक, उज्बेकिस्तान के जालोलोव को हराया

नोवी साद, एजेंसी। भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पुरुषों की फ्री स्टाइल 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। सुजीत ने खिताबी मुकाबले में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जालोलोव को एकतरफा अंदाज में 10-0 से हराया। दोनों पहलवानों के बीच यह मुकाबला चार मिनट 54 सेकेंड तक चला जिसके बाद रेफरी ने भारतीय पहलवान को विजेता घोषित किया।

पदक का रंग बदलने में सफल रहे सुजीत- सुजीत ने इस तरह उज्बेकिस्तान के पहलवान पर तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज की। इससे पहले सुजीत ने कभी विश्व खिताब नहीं जीता था, लेकिन उन्होंने 2022 और 2025 में अंडर-23 एशिया खिताब और 2022 में अंडर-20 एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। सुजीत ने पिछले साल इसी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

सुजीत का विश्व चैंपियनशिप में सफर- सुजीत ने अपने पहले दो बाउट तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीते थे। उन्होंने मोलदोवा के फिओदोर किएवदारी को 12-2 से और पोलैंड के डोमिनिक जाकूब को 11-0 से परास्त किया था। क्वार्टर फाइनल में वह बशीर मागोमेदोव से पीछे चल रहे थे, लेकिन 4-2 से मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे थे। सेमीफाइनल में सुजीत ने जापान के युतो निशियुची को 3-2 से हराकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर का सख्त संदेश

40 की उम्र में भी रोहित-विराट वर्ल्ड कप के लिए फिट

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने चयनकर्ताओं को बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के चयन में उम्र को लेकर कोई बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। श्रीकांत का मानना है कि दोनों दिग्गज 2027 वनडे विश्व कप तक टीम इंडिया की रीढ़ बने रह सकते हैं। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, रोहित शर्मा को 2027 वर्ल्ड कप में जरूर खेलना चाहिए। वह के करीब हैं या अब उम्र हो रही है, ऐसी बातें बंद होनी चाहिए। वह फिट हैं, बेहतरीन फॉर्म में हैं और फील्डिंग में भी शानदार हैं। सिडनी में उनकी बल्लेबाज़ी देखकर लगा जैसे 2019 वर्ल्ड कप की झलक दोबारा दिख रही हो। उन्होंने आगे कहा, विराट कोहली तो अपनी फिटनेस के दम पर 45 साल तक खेल सकते हैं। उनकी फिटनेस अब भी किसी 25 वर्षीय खिलाड़ी जैसी है। रोहित और विराट दोनों को डराने या असुरक्षित महसूस कराने के बजाय चयनकर्ताओं को उन्हें भरोसा देना चाहिए कि वे टीम के सबसे अहम खिलाड़ी हैं। श्रीकांत ने चयन समिति को सलाह देते हुए कहा, उन्हें कहना चाहिए – 'आप दोनों टीम के केंद्र हैं, बस फिट रहो और हमें 2027 वर्ल्ड कप जिताओ।' डर या दबाव डालने की जरूरत नहीं है। हाल ही में खत्म हुई ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में रोहित शर्मा ने तीन मैचों में 202 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल रहा। उनकी 121* रनों की पारी भारत की 9 विकेट से जीत में निर्णायक साबित हुई थी। अब टीम इंडिया 30 नवंबर से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू वनडे सीरीज में खेलेगी, जहां रोहित और विराट अपने फॉर्म को जारी रखने की कोशिश करेंगे।

महिला विश्व कप

स्मृति मंधाना के साथ ओपनिंग करेंगी शैफाली वर्मा? ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेइंग 11 में 2 बदलाव कर सकता है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में 30 अक्टूबर को भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। लीग स्टेज में भारतीय टीम 3 मैच हारकर अंक तालिका में चौथे नंबर पर रही। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम एक भी मैच नहीं हारी। भारत की दिक्कतें खिलाड़ियों के चोटिल होने से और बढ़ गई है। बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी लीग मैच में ओपनर प्रतिका रावल चोटिल होकर टूर्नामेंट में बाहर हो गईं। शैफाली वर्मा को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया। विकेटकीपर ऋचा घोष भी चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ मैच में नहीं खेली थीं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में विकेटकीपिंग के दौरान बाएं हाथ की उंगली में चोट लगी थी। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था और उमा छेत्री ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में उमा को डेब्यू का मौका मिला था। अगर ऋचा चोट से उबर जाती हैं तो भारत प्लेइंग 11 में दो बदलाव कर सकता है।

शैफाली की राह आसान नहीं- भारत की प्लेइंग 11 में प्रतिका रावल की जगह शैफाली वर्मा और उमा छेत्री की जगह ऋचा घोष को मौका मिल सकता है। इसके अलावा बदलाव के कोई और आसार नहीं दिख रहे हैं। प्रतिका का बाहर होना भारत के लिए बड़ा झटका है। वह टूर्नामेंट में स्मृति मंधाना के बाद दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। शैफाली बेखौफ बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं, लेकिन वह एक साल बाद भारत के लिए वनडे खेलती दिखेंगी।

यूरोपीय शतरंज क्लब कप में दिव्या और गुकेश नें जीते दोहेरे स्वर्ण पदक

रोड्ज, ग्रीस (एजेंसी)। में आयोजित 40वें यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2025 ? में भारतीय खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ रिकॉर्ड कायम किया। सुपरचेस ? (रोमानिया) क्लब ने ओपन वर्ग में 14 में से 14 अंकों के साथ खिताब पर कब्जा जमाया। इस टीम की जीत में विश्व चैंपियन डी. गुकेश का प्रदर्शन निर्णायक रहा, जिन्होंने पहले बोर्ड पर गोल्ड मेडल जीता। वहीं, नॉर्थ मैसेडोनिया की टीम अल्कालॉइड जिसमें भारत से अर्जुन एरीगैसी, अरविंद चितांबरम और अभिमन्यु पौराणिक थे ने 12 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और डिफेंडिंग चैंपियन नोवी बोर (चेक गणराज्य) जिसमें भारत से विदित गुजराती और पेंटला हरीकृष्णा थे ने उतने ही अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

महिला वर्ग में सर्कल डी शे मोंटे कार्लो ? ने 13 में से 13 अंक अर्जित कर खिताब जीत लिया। भारत की ग्रांड मास्टर दिव्या देशमुख, जिन्होंने हाल ही में महिला विश्व कप 2025 ? जीता था, इस क्लब के लिए खेलते हुए अपने बोर्ड पर व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने में सफल रहीं। मौजूदा चैंपियन ताइफुन एसके ल्युब्लियाना तीसरे स्थान पर रही, जबकि सर्बिया की सर्मियम स्रेम्स्का मित्रोविका ने दूसरा स्थान हासिल किया। ओपन वर्ग में भारत के चार खिलाड़ियों ने अपने बोर्ड पर गोल्ड मेडल जीते – विश्व चैंपियन डी. गुकेश (सुपरचेस), निहाल सारिन (बेयगन पेंडिक), अभिमन्यु पुराणिक (अल्कालॉइड) और दिव्या देशमुख (मोंटे-कार्लो)। वहीं, अरविंद चितांबरम को अपने बोर्ड पर कांस्य पदक मिला। इस बार का आयोजन भारतीय खिलाड़ियों के लिए सबसे सफल साबित हुआ। पहली बार, ओपन और महिला दोनों वर्गों की विजेता टीमों में भारतीय ग्रैंडमास्टर शामिल रहे। ओपन वर्ग की शीर्ष तीनों टीमों में भी कम से कम एक भारतीय खिलाड़ी खेला। कुल सात राउंड के इस स्विस सिस्टम टूर्नामेंट में यूरोप की 100 से अधिक शीर्ष टीमें और लगभग 800 खिलाड़ी शामिल हुए। टूर्नामेंट का आयोजन 19 से 25 अक्टूबर तक रोडोस पैलेस में हुआ, जिसे यूरोपीय चेस यूनियन ने संचालित किया।

सनातन के अनुसार मौन क्या है

भोपाल । अखिल विश्व सत्य सनातन संघ के अध्यक्ष उदित भदोरिया ने मो न को परिभाषित करते हुए बताया कि मोन का अर्थ ध्वनि की अनुपस्थिति,शब्दों के बिना संचार, या शांति की स्थिति है इसे विभिन्न संदर्भ में उपयोग किया जा सकता है जैसे किसी प्रकार के संचार को बंद करना,शारीरिक व मानसिक शांति भी मौन है किसी ध्वनि पर सौर का अभाव स्थिरता मन का रहस्य मन को शांत करना एकाग्रता बढ़ाने एवं आंतरिक शांति प्रदान करने में निहित है यह सिर्फ बाहरी चुप पी नहीं है बल्कि मन के विचारों को शांत करने की एक प्रक्रिया है जिससे मानसिक स्पष्टता बढ़ती है आत्म शक्ति में वृद्धि होती है तथा व्यक्ति भीतर की गहराइयों को अनुभव कर पता है मोन के अभ्यास से आत्मिक आध्यात्मिक व मानसिक लाभ मिलते हैं जैसे क्रोध पर नियंत्रण वाक् सिद्धि शारीरिक व मानसिक ऊर्जा का संरक्षण होता है मोन विचारों की निरर्थक उत्तल-पुथल को शांत करता है जिससे मन शांत होता है और एक बिंदु पर केंद्रित रहता है एकाग्रता का स्तर बढ़ता है याददाश्त तेज होती है यह शब्दों को नियंत्रित करता हुआ आत्म शक्ति को बढ़ाता है शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है यह परमात्मा से जुड़ने तथा भीतर की आत्मा की चिंगारी को जगाने में मदद करता है लंबे समय तक मौन रहने से वाक्य सिद्धि आ जाती है फिर मनुष्य जो बोलता है वह सत्य होता है कम से कम 24 घंटे में 1 घंटे जागृत अवस्था में इसका प्रयास करना चाहिए आध्यात्मिक भावनात्मक तथा मानसिक विकास बढ़ेगा आत्म नियंत्रण की क्षमता आ जाएगी व्यक्ति ऊर्जा से भर जाएगा संसार में हमारे ऋषि मुनियों ने मौन का ही सहारा लेकर ब्रह्मांड के रहस्य को जाना अनेक दार्शनिक भी इसी ओर इशारा करते हैं मोन की शक्ति को पहचानो व्यर्थ ऊर्जा को खर्च ना करो ऊर्जा का संरक्षण हमारे आंतरिक एवं बाहर के सभी अंगों को संरक्षण प्रदान करती है ।

सामाजिक संस्थाओं ने एकजुट होकर जताई गहरी चिंता

खजुराहो की शांति और संस्कृति पर मंडराया खतरा-महिलाओं ने संभाली कमान

खजुराहो – प्राचीन भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक शांति और प्राकृतिक सौंदर्य की धरती खजुराहो आज एक नई चुनौती के सामने खड़ी है। इसी विषय पर मतँगेश्वर सेवा समिति, दद्दा जी इंटरनेशनल कल्चर सेंटर और खजुराहो डेवलपमेंट एसोसिएशन के पंडित सुधीर शर्मा के तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, यह बैठक माता मंदिर के सामने स्थित वुड कैफ़े रेस्टोरेंट में सम्पन्न हुई। बैठक में खजुराहो, पन्ना, छतरपुर और लवकुशनगर क्षेत्र से आए समाजसेवियों के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। सभी का उद्देश्य था – खजुराहो की सांस्कृतिक आत्मा और पर्यावरणीय संतुलन की रक्षा करना। मुख्य चर्चा का विषय खजुराहो में प्रस्तावित मिलिट्री एयर बेस रहा। पंडित शर्मा ने बताया कि ÷खजुराहो की पहचान इसकी शांति, आध्यात्मिकता और चंदेलकालीन भव्य मंदिरों से है। यदि यहाँ सैन्य एयर बेस स्थापित हुआ, तो यह न केवल पर्यावरण और वन्यजीवों को प्रभावित करेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन पर भी गंभीर असर डालेगा। उन्होंने कहा कि खजुराहो का सौम्य वातावरण, जो दुनिया भर से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करता है, सैन्य विमानों की गतिविधियों से नष्ट हो जाएगा। सभी उपस्थित समाजसेवियों ने एक स्वर में सुझाव दिया कि खजुराहो में ऐसी योजनाएँ लाई जानी चाहिए जो इसकी मौलिकता, मंदिरों की गरिमा और पर्यावरण की पवित्रता को बनाए रखें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बेगलेस स्कूल की संचालिका श्रीमती वर्षा चतुर्वेदी, स्वतंत्रता सेनानी की पोत्री श्रीमती सिम्मी अवस्थी तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमती अनीता ओस्माण्ड उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त समाजसेवी शिवि खरे, मीना अनुरागी, इरा खान, हरीश लवानिया, विकास चतुर्वेदी, गुड्डू तिवारी (पन्ना), डॉ. शिवपूजन अवस्थी (लवकुशनगर), गणेश भाई कुण्डिया (गुजरात), श्रीमती रश्मि जैन, श्रीमती रजनी मिश्रा, और आकांक्षा शर्मा (छतरपुर) होटल एसोसिएशन, हैंडीक्राफ्ट उद्योग, ब्रह्मकुमारी संगठन और जैन समाज के प्रतिनिधि सहित अनेक प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के उपरांत सभी लोगों ने मतँगेश्वर महादेव के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया समिति के सदस्यों ने पन्ना में आयोजित मुरारी बापू की कथा में पहुंचकर बापू को इस समस्या के बारे में अवगत कराया तब उन्होंने सदस्यों को अयोध्या में आकर मिलने को कहा जल्द ही इस समस्या का निवारण होगा ।

खेल स्टेडियम में मेला लगाए जाने के विरोध में खिलाड़ियों का प्रदर्शन

बक्सवाहा। छतरपुर जिले की तहसील बकस्वाहा में खेल स्टेडियम में मेला लगाए जाने के विरोध में खिलाड़ियों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों का कहना है कि नगर परिषद द्वारा 2,40,00,000 रुपये की लागत से खेल स्टेडियम का निर्माण किया गया है, जिसे मैदान शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के लिए आवंटित किया गया था। खिलाड़ियों का आरोप है कि नगर परिषद द्वारा इस वर्ष खेल मैदान पर कदम्ब मेला लगाया जा रहा है, जिससे इस बहुउद्देशीय स्टेडियम का उपयोग बाधित होगा और बकस्वाहा की खेल प्रतियोगिताओं को दिक्कत होगी। खिलाड़ियों ने मांग की है कि इस मेले को पूर्व स्थान या मंडी परिसर में लगाया जाए। खिलाड़ियों ने तहसीलदार भरत पांडे और सीएमओ नेहा शर्मा को ज्ञापन सौंपकर इस मेले को खेल मैदान में रोकने की मांग की है। ज्ञापन में खिलाड़ियों का कहना है कि अगर मेला लगाया जाता है तो वे अनशन करेंगे। खिलाड़ियों का कहना है कि वे अपने नगर के खेल को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे और इस मेले को रोकने के लिए वे किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। इसी मैदान से बक्सवाहा विकास खंड के लगभग 100 खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयनित हुए हैं। खिलाड़ियों का कहना है कि इस मैदान का उपयोग खेल गतिविधियों के लिए किया जाना चाहिए, न कि मेले के लिए। खिलाड़ियों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मेले को रोककर खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए। खिलाड़ियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कुछ समय के लिए चक्का जाम किया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। खिलाड़ियों का कहना है कि वे अपने अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं और इस मेले को रोकने के लिए वे किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। इस संबंध में तहसीलदार भरत पांडे का कहना है कि कदम्ब मेला खेल ग्राउंड में लगाने के प्रस्ताव को नगर परिषद द्वारा अनुमोदन किया गया है, लेकिन खिलाड़ियों की मांग को देखते हुए ज्ञापन को नगर परिषद भेजकर जानकारी प्राप्त की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

प्रकृति के प्रति आस्था ही हमें जीवन का सच्चा अर्थ सिखाती है : मुख्यमंत्री

भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति के साथ सामन्जस्य से जीने की परम्परा अपनाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रकृति के प्रति आस्था ही हमें जीवन का सच्चा अर्थ सिखाती है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति के साथ सामन्जस्य से जीने की परम्परा अपनाई है। दुनिया के कई देश प्रकृति का दोहन कर रहे हैं पर भारत ने सदियों से प्रकृति का पोषण किया है।

उपभोग प्रधान जीवन शैली वर्तमान के जलवायु संकट को बढ़ाती है जबकि उपयोग से पहले संरक्षण की समझ और भोग से पहले योग का संतुलन ही भारतीय संस्कृति का सार है। भोपाल प्रकृति और प्रगति का अनूठा संगम है। प्राकृतिक सुंदरता और जैव-विविधता सहेजे इस सुंदर शहर में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर कार्यशाला का आयोजन शहर की विशेषता के अनुरूप है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यावरण और जीवन शैली-जलवायु परिवर्तन और सतत विकास वैचारिक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य नीति आयोग, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और ऐप्को के संयुक्त तत्वावधान में मानव संग्रहालय में आयोजित संगोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। नर्मदा समग्र, सिकोईडिकोन, पैरवी और राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, कार्यक्रम के सह आयोजक हैं। जलवायु परिवर्तन के समाधान में राज्यों की भूमिका पर विचार विमर्श और व्यक्ति-समाज एवं सरकारों की सहभागिता से सतत विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य है। उल्लेखनीय है कि जल, जंगल, जमीन, जैव विविधता और मानव जीवन के पहलुओं को प्रभावित कर रहे जलवायु संकट पर ब्राजील में नवंबर 2025 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन होगा।

वैचारिक संगोष्ठी में प्राप्त सुझाव और विचार, ब्राजील के सम्मेलन में साझा किए जाएंगे। मध्यप्रदेश, इस चर्चा को आरंभ करने वाला भारत का पहला राज्य है। लिविंग द राइट वे की थीम पर आधारित संगोष्ठी में पर्यावरण और जीवन शैली, जलवायु और सतत विकास के बीच संबंधों का सुदृढ़ीकरण और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में राज्यों की भूमिका जैसे विषयों पर विचार विमर्श हो रहा है।

बहुआयामी होगा प्रदेश का 70वां स्थापना दिवस समारोह

प्रदेश का 70वां स्थापना दिवस समारोह बहुआयामी होगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम भव्य और दिव्य रूप में मनाया जाएगा। आगामी एक से तीन नवम्बर तक भोपाल स्थित लाल परेड ग्राउंड में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस दौरान बहुरंगी शिल्प मेला, सुगम संगीत, नाटक, जनजातीय लोक नृत्य, ड्रोन शो आदि होंगे। समारोह में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकॉस्ट) पहलीबार तकनीकी मार्गदर्शन देकर विशेष भूमिका में सामने आ रहा है। भोपाल के आकाश पर सबसे विशाल विजुअल सेलेब्रेशन पहलीबार दिखाई देगा। मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक विरासत, स्थापत्य कला, पर्यटन महत्व और जनजातीय सभ्यता को इस ड्रोन-शो में देखा जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्थापना दिवस समारोह के स्वरूप पर इस माह चार बार बैठकों में समीक्षा की है। गहन मंथन और चिंतन के बाद समारोह को मनोरंजन के साथ सार्थक संदेश देने का आयोजन बनाने के उद्देश्य से रचना की गई है। समारोह की थीम 'उद्योग और रोज़गार वर्ष 2025' के अनुरूप प्रदेश में हुए नवाचारों और विकास के विशेष प्रयासों पर केन्द्रित है।

निर्माण कार्यों की करें सतत निगरानी, समस्याओं का त्वरित हो समाधानः शुक्ल

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधोसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों की सतत निगरानी करने के निर्देश देते हुए कहा कि समस्या या बाधा आने पर उसे त्वरित समाधान के लिए उच्च स्तर पर अग्रेषित किया जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रशासनिक उदासीनता या लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि हर नागरिक को उत्कृष्ट और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य है। उप मुख्यमंत्री ने अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और नर्सिंग संस्थानों के अधोसंरचना विकास कार्यों को उच्च प्राथमिकता से पूरा करने के भी निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि अधोसंरचना विकास केवल भवन निर्माण तक सीमित न रहे, बल्कि उपकरणों और आवश्यक फर्नीचर को भी समान रूप से गति दी जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसियाँ, लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, जिससे किसी भी परियोजना में विलंब न हो।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने नए मेडिकल कॉलेजों, नर्सिंग कॉलेजों, जिला चिकित्सालयों, विशेषज्ञ ब्लॉकों और छात्रावासों सहित अन्य स्वास्थ्य इकाइयों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा रीवा, शहडोल, छिंदवाड़ा, सागर, खंडवा, सिवनी, मंडला और भोपाल सहित कई जिलों में कार्य तेजी से हो रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने ट्रांसमिशन कम्पनी के चयनित अधिकारियों को दिये नियुक्ति पत्र

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी के सीधी भर्ती के माध्यम से चयनित 9 अधिकारियों को वर्चुअली नियुक्ति पत्र वितरित किये। मंत्री तोमर ने कहा कि नव नियुक्त अधिकारी पूरी निष्ठा और सेवा भावना से शासकीय दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि नव नियुक्त अधिकारियों को बेहतर एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाये। तोमर में

नवनियुक्त अधिकारियों से बात भी की। मंत्री तोमर ने सहायक अभियंता विद्युत धीरज कुमार सेमेकर, आकाश शिवहरे और दीपक सस्तया को नियुक्ति पत्र वितरित किये। इसी तरह सहायक अभियंता सिविल सुरेन्द्र पटेल, शुभम पाठक, अंकुर दुबे, विवेक उंदेरिया, सुप्रतिज्ञा गुप्ता और राजेन्द्र भवंर को भी नियुक्ति पत्र सौंपे गये। मंत्री तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सभी बिजली कंपनियों के लिए नयी संगठनात्मक संरचना स्वीकृत की है। उन्होंने कहा की अभी ट्रांसको में 565 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया जारी है। जल्द ही इनकी नियुक्तियां भी होंगी।उन्होंने कहा कि पांचो कंपनियों के लिए स्वीकृत संगठनात्मक संरचना में भर्ती होने पर युवाओं को रोजगार मिलेगा। मंत्री तोमर ने नवनियुक्त अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

महिला डीएसपी पर लगा सहेली के घर से दो लाख और मोबाइल चोरी का आरोप

भोपाल। एमपी पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में पदस्थ महिला डीएसपी कल्पना रघुवंशी के खिलाफ उनकी सहेली ने घर से दो लाख की नगदी सहित एक मोबाइल फोन चोरी करने का आरोप लगाते हुए नामजद एफआईआर दर्ज कराई है। मामले की शिकायत 24 सितंबर को जहांगीराबाद थाने में दर्ज की गई है, संदेही महिला अधिकारी सीसीटीवी कैमरे में फरियादिया सहेली के घर में आते-जाते समय कैद हुई थीं। इसके फुटेज बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक बी-17 महालक्ष्मी परिसर गल्ला मंडी जहांगीराबाद में रहने वाली प्रमिला तिवारी ने अपनी शिकायत में बताया की वह निजी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में नौकरी करती हैं। डीएसपी कल्पना रघुवंशी उनकी दोस्त हैं, और उनका अक्सर उसके घर आना-जाना लगा रहता था। पीड़िता ने पुलिस को आगे बताया कि 24 सितंबर को वह और उनकी बेटी घर पर थीं, दोपहर के समय में नहाने के लिए वह कमरे में गईं थी। घर का गेट खुला था। इसी दौरान किसी ने घर के हाल में घुसकर उनका चार्जिंग पर लगा मोबाइल और पास रखा एक बैग चोरी कर लिया। चोरी गये बैग में दो लाख रुपए नगदी रखी थी। प्रमिला के अनुसार, जब वह नहाने के बाद वापस हाल में आई तो उन्हें चार्जिंग पर लगा मोबाइल गायब मिला, चेक करने पर मोबाइल सहित हॉल में रखा नगदी से भरा बैग भी गायब नजर आया। प्रमिला ने पुलिस को बताया कि चोरी गई रकम उन्होंने बच्चे की फीस के लिए रखी थी। अपने स्तर पर जॉच करते हुए प्रमिला ने सीसीटीवी घर के सामने वाले मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किये। फुटेज में डीएसपी कल्पना रघुवंशी उनके घर में आती-जाती साफ नजर आई। फुटेज में यह भी नजर आया कि घर से निकलते समय उनके एक हाथ में पर्स और नोटों के बंडल थे। इसके बाद प्रमिला ने थाना पुलिस से लिखित शिकायत की। शुरुआती जॉच के बाद थाना पुलिस ने डीएसपी कल्पना रघुवंशी के खिलाफ चोरी की धाराओं में नामजद एफआईआर दर्ज की है। सुत्रो के मुताबिक एफआईआर की भनक लगते ही महिला अधिकारी भुमिगत हो गई है, ओर उनकी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। इधर पुलिस मुख्यालय ने भी आरोपी अधिकारी के खिलाफ नोटिस जारी कर विभागीय कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक,मुद्रक,एवं संपादक, कल्याण मल जैन द्वारा समता प्रिंटर्स , बी-15 प्रेस कापलेस, जोन-1 एमपीनगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित कराकर शॉप नबर 3 एस के टॉवर , अल्पना टॉकीज के पीछे भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक- कल्याण मल जैन , मो.8349212122, स्थानीय संपादक-कथक मल जैन। समाचार चयन के लिए पीआरबी एट के तहत जिमेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।) RNI.NO.MPHIN/2013/54854